चैत्र शुक्ल पक्ष- 13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 265 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 अप्रैल 2026 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
37.0 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

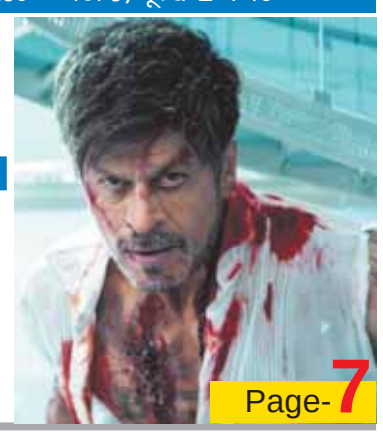

Page-7

जांच एजेंसियों के राडार पर रसूखदार... भारतीय नेताओं, नौकरशाहों और कारोबारियों की उड़ी नींद

जंग के असर से दुबई में फंसी काली कमाई और बेनकाब होता गठजोड़

ईरान पर अमेरिका और इज़राइल की जारी जंग का प्रभाव अब केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका व्यापक आर्थिक और वित्तीय असर सभी खाड़ी देशों तक पहुंच चुका है। खासतौर पर दुनिया की आर्थिक राजधानी कहा जाने वाला दुबई इस भू-राजनीतिक उथल-पुथल के केंद्र में आ गया है। इस संकट ने उन भारतीय नेताओं, नौकरशाहों और कारोबारियों की नींद उड़ा दी है, जिन्होंने वर्षों से अपनी काली कमाई को हवाला के जरिए दुबई के रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों में खपाया था।

दोपहर मेट्रो खुलासा

राजेश सिरोठिया

पार्ट-1

सूत्रों के मुताबिक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के राडार पर पहले से ही दो हजार से अधिक संदिग्ध लोग हैं। लेकिन मौजूदा हालात में ऐसे कई नए नाम भी उजागर होने शुरू हो गए हैं , जो अब तक जांच एजेंसियों की नजर से बचते रहे थे। यह केवल व्यक्तिगत निवेश का मामला नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क है, जिसके तहत नेताओं और नौकरशाहों का गठजोड़ काले धन को विदेशों में सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाने में सक्रिय रहा है ।

पिछले तीन दशकों में विशेष रूप से मध्यप्रदेश और छतीसगढ़ के कई प्रभावशाली अफसरों पर आरोप रहे हैं कि उन्होंने राजनीतिक संरक्षण के चलते न केवल अपनी, बल्कि कई नेताओं की अवैध कमाई को दुबई पहुंचाने में मदद की। यह पैसा हवाला नेटवर्क, फर्जी कंपनियों और ओवर-इनवॉइसिंग जैसे तरीकों से बाहर भेजा गया। अब जब दुबई के रियल एस्टेट बाजार में गिरावट और क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ी है, तो यह निवेश फंसता नजर आ रहा है।

आंकड़े इस खेल की गंभीरता को उजागर करते हैं। भारतीय एजेंसियों ने पहले ही दुबई में संदिग्ध स्रोतों से पहुंचे करीब 2.4 बिलियन डॉलर (लगभग 20 हजार करोड़ रुपये) की पहचान की है। वहीं एक खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में ही भारतीयों ने दुबई के रियल एस्टेट में 85 से 95 हजार करोड़ रुपये के बीच निवेश किया, जिसमें एक बड़ा हिस्सा अवैध धन का माना जा रहा है। आयकर विभाग ने 2020 में ऐसे लगभग दो हजार भारतीयों की पहचान की थी, जिन्होंने दुबई में संपत्ति होने के बावजूद अपने आयकर रिटर्न में इसका खुलासा नहीं किया। इन लोगों में बड़े कारोबारी, वरिष्ठ अधिकारी और हाई-प्रोफाइल राजनीतिक चेहरे शामिल हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और पहलू भी सामने आ रहा है। पिछले एक दशक में दुबई भारतीय अमीरों और अरबपतियों का पसंदीदा ठिकाना बन गया। टैक्स से बचाव और बेहतर निवेश के अवसर के नाम पर हजारों करोड़पति वहां बस गए। अनुमान है कि आज दुबई में निवेशित संपत्तियों का एक तिहाई हिस्सा भारतीयों का है। लेकिन मौजूदा संकट ने इस 'सुरक्षित निवेश' की धारणा को हिला दिया है।

इस पूरे परिदृश्य में भारत सरकार के सामने एक बड़ा अवसर भी उभरकर आया है। यदि नरेंद्र मोदी सरकार चाहे, तो वह 'आपदा में अवसर' तलाश सकती है। काले धन की वापसी, सख्त जांच और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए न केवल अवैध संपत्तियों पर शिकंजा कसा जा सकता है, बल्कि उन लोगों को भी जवाबदेह बनाया जा सकता है जिन्होंने वर्षों तक सिस्टम का दुरुपयोग किया। अब देखना यह है कि भारत इस मौके का कितना प्रभावी उपयोग कर पाता है। क्योंकि यह सिर्फ आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और सिस्टम की साख का भी सवाल है।

......(जारी)

मूल निवेश ही वापस मिलना हुआ मुश्किल

रियल एस्टेट कीमतों में गिरावट, व्यापारिक अनिश्चितता और क्षेत्रीय तनाव के कारण निवेशकों को भारी नुकसान का खतरा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि दुबई के कई पांच सितारा होटल ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए 70-75 प्रतिशत तक छूट देने को मजबूर हैं। यह संकेत है कि आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार धीमी पड़ चुकी है। सबसे ज्यादा चिंता उन लोगों को सता रही है, जिनकी पूंजी का स्रोत ही संदिग्ध है। उनके सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे अपनी फंसी हुई संपत्ति को कैसे निकालें। घटते दामों के चलते मूल निवेश तक वापस मिलना मुश्किल हो गया है, जबकि कानूनी रास्तों से पैसा निकालना उनके लिए जोखिम भरा है।

ट्रम्प बोले-दो से तीन हफ़्तों में ख़त्म हो सकती है जंग

ईरान ने कहा... अमेरिका पर भरोसा नहीं कर सकते

तेहरान / तेल अवीव / वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान-अमेरिका युद्ध में तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सेना जल्द ही ईरान से बाहर निकल सकती है, जिसके लिए उन्होंने दो से तीन हफ्तों का संभावित समय बताया। हालांकि सैन्य गतिविधियों के साथ-साथ कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं। उनके विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा कि यह युद्ध अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। उधर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि अगर भविष्य में दोबारा संघर्ष न होने की गारंटी दी जाए, तो उनका देश युद्ध खत्म करने के लिए तैयार है। हालांकि विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के साथ पिछले अनुभव अच्छे नहीं रहे हैं और उस पर अब भरोसा नहीं किया जा सकता।

मंगलवार रात व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका का मकसद ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था। यह अब पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि समझौता होने पर युद्ध पहले भी खत्म हो सकता है। दूसरी ओर लेबनान के बेरूत में दक्षिणी इलाके के अंदर आज सुबह कई जोरदार धमाके हुए, जिससे जनाह इलाके में धुएं के बड़े गुबार उठते दिखाई दिए। इजराइल की सेना ने दावा किया कि उसने हिज़्बुल्लाह के एक वरिष्ठ कमांडर और एक अन्य बड़े सदस्य को निशाना बनाया है। देश के दक्षिणी हिस्सों में हुए हमलों में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक पैरामेडिक भी शामिल है।

हिज्बुल्ला का साथ दो- खामेनेई

मोजतबा खामेनेई ने हिज्बुल्ला को समर्थन जारी रखने का ऐलान किया है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने हिज्बुल्लाह प्रमुख नईम कासिम को संदेश भेजकर कहा कि ईरान की नीति अमेरिका और इजराइल के खिलाफ लड़ रहे लोगों का साथ देने पर आधारित रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह रणनीति अली खामेनेई और हिज्बुल्लाह के पूर्व प्रमुख हसन नसरल्लाह के रास्ते पर ही आगे बढ़ रही है। ईरान ने दोहराया कि वह अपने सहयोगियों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

न्यूज विंडो

कुवैत से विशेष विमान से कोच्चि लाए गए 20 भारतीयों के शव

कोचीन। कुवैत में हाल ही में अलग-अलग कारणों से जान गंवाने वाले 20 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर आज केरल के कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंच गए। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से इन शवों को पहुंचने में देरी हुई। मृतकों में तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के मुथुकुलथुर के रहने वाले 37 वर्षीय संथानासेल्वम कृष्णन भी शामिल थे, जिनकी एक वॉटर डिसैलिनेशन प्लांट पर हुए ड्रोन हमले में मौत हो गई थी। बाकी 19 लोगों की मौत अलग-अलग घटनाओं और प्राकृतिक कारणों से हुई थी, लेकिन क्षेत्रीय संघर्ष के चलते उनके पार्थिव शरीर को वापस लाने में देरी हो गई थी।

रूस का मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमान हुआ क्रैश, 29 लोगों की मौत

क्रीमिया। रूस का An-26 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमान क्रीमिया में क्रैश हो गया है। इस घटना में 29 लोगों की मौत हो गई है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि 23 यात्री और 6 चालक दल के सदस्य मारे गए हैं। इस घटना में अब तक किसी के भी जीवित बचने की खबर सामने नहीं आई है। वहीं रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, विमान पर 'बाहरी प्रभाव के कोई संकेत नहीं' मिले हैं, जिसका अर्थ है कि विमान को यूक्रेन द्वारा नहीं गिराया गया था। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रणनीतिक काला सागर प्रायद्वीप के ऊपर एक 'नियमित उड़ान' के दौरान स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 6 बजे विमान से संपर्क टूट गया। प्रारंभिक आंकड़ों से ये संकेत मिला है कि विमान में कोई तकनीकी खराबी आई होगी।

आज का कार्टून

स्कूल चलें हम अभियान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'स्कूल चलें हम' अभियान अंतर्गत आज भोपाल में राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2026 के शुभारंभ अवसर पर बच्चों को निशुल्क साइकिल वितरित की।

चाय के साथ चिप भी बनेगी असम की पहचान, संसाधनों की कोई कमी नहीं: मोदी

गुवाहाटी। पीएम मोदी ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से उन्होंने प्रधानमंत्री बनने की हैट्रिक पूरी की है। अब असम में भी भाजपा-एनडीए की जीत की हैट्रिक लगेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव विकसित असम और विकसित भारत बनाने के लिए है। प्रधानमंत्री आज असम के दौरे पर हैं। उन्होंने धेमाजी जिले के गोगामुख में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने भाजपा उम्मीदवार रनोज पेगू और नबा कुमार डोले के पक्ष में जनता से वोट मांगे। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी तीसरी हार तय है। कांग्रेस के 'राजकुमार' हार का शतक लगाएंगे। उन्होंने सर्वानंद सोनोवाल और हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में हुए 10 साल के सुशासन की तारीफ की। अब असम में चाय के साथ चिप भी असम की पहचान बनेगी। संसाधनों की कोई कमी नहीं है। अपनी चुनावी रैली से पहले पीएम डिब्रूगढ़ पहुंचे और चाय के बागान में काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की। इसका अनुभव साझा करते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'चाय असम की आत्मा है! यहां की चाय पूरी दुनिया में मशहूर है।

जंगल में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

जम्मू, एजेंसी। गांदरबल जिले के आरहामा के जंगल क्षेत्र में मंगलवार देर शाम को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। कई घंटों की भीषण मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है। मंगलवार देर शाम इलाके में आतंकियों के मौजूद होने की सूचना पर सुरक्षाबलों ने इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया और आतंकियों को घेर लिया। कई घंटों तक दोनों तरफ से गोलीबारी होती रही। ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाबलों को घटनास्थल पर भेजा गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक आला अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि आरहामा के जंगल क्षेत्र में सुरक्षाबलों की ओर से आतंकवादियों की एक मूवमेंट की विशिष्ट सूचना मिली। तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच आमना-सामना हुआ।

सड़क चौड़ीकरण को लेकर रहवासियों में गुस्सा

कांग्रेसी पार्षद के रसूख के आगे बेबस उज्जैन निगम

उज्जैन, एजेंसी

शहर के टैगोर चौराहे से दो तालाब तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण का काम नगर निगम के पक्षपातपूर्ण रवैये के कारण विवादों में घिर गया है। नगर निगम ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए भवन स्वामियों और संस्थाओं को निर्माण हटाने के जो नोटिस जारी किए गए हैं, उनका भारी विरोध हो रहा है। लोगों का आरोप है कि एक कांग्रेस पार्षद के प्रभाव के चलते यह भेदभावपूर्ण करवाई हो रही है।

नगर निगम उज्जैन विकास योजना 2035 के अनुसार सड़क की चौड़ाई 18 मीटर प्रस्तावित कर रहा है, जबकि यह विकास योजना अभी तक शासन द्वारा स्वीकृत ही नहीं की गई है। रहवासियों की शिकायत में कहा गया है कि आईआरसी 86-2018 के मानकों के अनुसार शहरी क्षेत्र में चार लेन सड़क 15 मीटर तक चौड़ी होती है। वर्तमान में इस मार्ग की चौड़ाई पर्याप्त होने के बावजूद निगम बिना स्वीकृत योजना के 18 मीटर चौड़ी सड़क बनाना चाह रहा है। विवाद का एक बड़ा कारण सड़क के दोनों ओर से समान रूप से जमीन का अधिग्रहण नहीं किया जाना है। शहर में इस बात की चर्चा है कि वार्ड क्रमांक 44 में भवन स्वामियों को नोटिस दिए गए हैं जहां भारतीय जनता पार्टी के पार्षद हैं।

वहीं वार्ड क्रमांक 45 में कांग्रेस पार्षद और नगर निगम उपनेता के प्रभाव के चलते आजाद नगर की ओर किसी भी जमीन अधिग्रहण का नोटिस जारी नहीं किया गया है। लोगों का सवाल है कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के नियमों को दरकिनार कर की जा रही इस मनमानी और एकतरफा कार्रवाई के पीछे क्या वास्तव में कांग्रेस पार्षद का रसूख काम कर रहा है। आश्चर्य इस बात पर व्यक्त किया जा रहा है कि भाजपा की सरकार में कैसे एक कांग्रेस का पार्षद इतना ताकतवर है कि अपने अनुसार निगम को चला रहा है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या नगर निगम सभी तथ्यों और आपत्तियों पर संज्ञान लेते हुए न्यायसंगत कार्रवाई करेगा।

मेट्रो एंकर | **गुणवत्तापूर्ण और त्वरित न्याय के बगैर पूरा नहीं हो सकता संविधान का उद्देश्य**

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस बोले, भरोसा बनाने में फेल हो गई न्यायपालिका

नई दिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस ए एस ओका ने न्यायपालिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारतीय न्यायपालिका नागरिकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर पाई है और भरोसा बनाए रखने में फेल हो गई। उन्होंने कहा कि सिस्टम की अपनी तारीफ अक्सर इस बात को नजरअंदाज कर देती है कि आम लोग अदालतों में क्या अनुभव करते हैं। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस ओका ने कहा, 'अगर किसी को यह कहना है कि आम आदमी का न्यायपालिका के प्रति गहरा विश्वास है, तो यह उन लोगों के द्वारा कहा जाना चाहिए, जो न्यायपालिका की व्यवस्था के बाहर हैं, न कि वकीलों या जजों द्वारा।'

जस्टिस ओका पीपल यूनियन फॉर सिविल लिबर्टी के 45वें जेपी मेमोरियल लेक्चर में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का संविधान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देता है, लेकिन यह वादा तब तक पूरा नहीं होगा जब तक अदालतें गुणवत्तापूर्ण और समय से न्याय नहीं दे पाएंगीं। उन्होंने कहा - 'आम लोगों को न्यायपालिका से बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन किसी तरह यह सिस्टम उन उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाया।' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का संविधान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देता है। लेकिन, यह वादे तब तक पूरे नहीं किए जा सकते, जबतक कि अदालतें गुणवत्तापूर्ण और त्वरित न्याय न दे।

10 लाख लोगों पर 22 -23 जज

जस्टिस ओका ने देश में जजों और आबादी के अनुपात और कमजोर न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि पांच साल में प्रति दस लाख लोगों पर 50 जज होने चाहिए, लेकिन आज भी यह आंकड़ा करीब 22-23 ही है। जबकि विकसित देशों में यह अनुपात 80-90 तक है। उन्होंने बताया कि एक समिति के अध्यक्ष के तौर पर किए गए आकलन में सिर्फ महाराष्ट्र में ही करीब 8,500 ट्रायल कोर्ट जजों की जरूरत है। उन्होंने कहा है कि कोर्ट को अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराना सरकार की जिम्मेदारी है। पूर्व न्यायाधीश ने मुकदमों के बढ़ते बोझ पर भी चिंता जताई। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मुंबई की एक मजिस्ट्रेट कोर्ट में रोज 100 से 150 मामलों की सुनवाई होती है। इनमें 30 से 40 प्रतिशत मामले चेक बाउंस से जुड़े होते हैं, जबकि बाकी आपराधिक, वैवाहिक और घरेलू हिंसा के मामले होते हैं। ऐसे में यह एक बड़ी समस्या है।

दो दिनों की राहत के बाद तेज धूप व गर्मी का अहसास

गर्मी की दस्तक: बाजारों में सज गई धूप से बचाने वाले सामानों की दुकानें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में जैसे ही गर्मी ने दस्तक दी, वैसे ही शहर की सड़कों का नज़ारा भी बदलने लगा है। तेज धूप और बढ़ते तापमान से बचने के लिए लोग अब तैयारियां करने लगे हैं, और इसी के साथ शहरभर में सड़कों किनारे टोपी, चश्मा और गमछों की दुकानों की भरमार देखने को मिल रही है।

न्यू मार्केट, एमपी नगर, हमीदिया रोड और पुराने शहर के प्रमुख इलाकों में फुटपाथ पर छोटी-छोटी दुकानें सज गई हैं। इन दुकानों पर रंग-बिरंगी टोपियां, स्टाइलिश सनग्लासेस और सूती गमछे लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। खासकर दोपहर के समय जब सूरज की तपिश तेज होती है, तब इन दुकानों पर खरीददारों की भीड़ साफ नजर आती है।

दुकानदारों का कहना है कि हर साल गर्मी के मौसम में उनका व्यापार बढ़ जाता है। कम कीमत में उपलब्ध ये सामान आम लोगों के लिए राहत का साधन बनता है। वहीं ग्राहक भी अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं।

गर्मी से बचाव के लिए जूस और ठंडी चीजों का सहारा

गर्मी से बचाव के लिए जहां लोग पानी, जूस और ठंडी चीजों का सहारा ले रहे हैं, वहीं सिर और आंखों को धूप से बचाने के लिए टोपी, गमछा और चश्मा जरूरी बन गए हैं। शहर में तापमान लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में आने वाले दिनों में इन दुकानों की संख्या और ग्राहकों की भीड़ दोनों बढ़ने की संभावना है। कुल मिलाकर, भोपाल में गर्मी का असर अब साफ दिखने लगा है, और इसके साथ ही रोज़मर्रा की जरूरतों से जुड़ा यह छोटा व्यापार भी तेज़ी से फल-फूल रहा है।

भोपाल जीएमसी में आज पेन डाउन आंदोलन

सीधी भर्ती से नाराज मेडिकल टीचर्स, डीन को सौंपा बहिष्कार पत्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में 'आंतरिक सीधी भर्ती' को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। अब चिकित्सा शिक्षकों ने खुला मोर्चा खोलते हुए एक अप्रैल को जीएमसी के एडमिशन ब्लॉक में पेन डाउन आंदोलन का ऐलान किया है। यह विरोध जीएमसी के पात्र कैंडिडेट्स द्वारा किया जा रहा है। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीया ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह अवैधानिक है और इससे चिकित्सा शिक्षकों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। पीएमटीए का प्रतिनिधिमंडल इस मुद्दे को सीधे सरकार तक ले जाने की तैयारी में है। एक अप्रैल को डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक भी प्रस्तावित है।

पेन डाउन आंदोलन से बढ़ेगा दबाव

शिक्षकों ने एक अप्रैल को दोपहर 12 से 1 बजे तक जीएमसी के एडमिशन ब्लॉक में पेन डाउन आंदोलन करने का निर्णय लिया है। इस दौरान सभी शिक्षक काम बंद कर विरोध दर्ज कराएं। जीएमसी से जारी विज्ञापन में प्रोफेसर के 4 और एसोसिएट प्रोफेसर के 5 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। जबकि शिक्षकों का कहना है कि इन पदों को नियमानुसार पदोन्नति से भरा जाना चाहिए।

पहली बार संस्थान के अंदर से विरोध

मध्य प्रदेश के इतिहास में यह पहला मामला है, जब किसी भर्ती प्रक्रिया का विरोध स्वयं उसी संस्थान के पात्र अभ्यर्थियों ने किया है। गांधी मेडिकल कॉलेज में जारी 'आंतरिक सीधी भर्ती' के विज्ञापन के खिलाफ मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमडीए) ने कड़ा रुख अपनाया है। फॉरेंसिक मेडिसिन सभागार में आयोजित एग्जीक्यूटिव बॉडी मीटिंग में 42 पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से इस भर्ती प्रक्रिया का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। बैठक में साफ कहा गया कि वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति केवल विभागीय पदोन्नति समिति के माध्यम से ही होनी चाहिए। शिक्षकों ने अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए कई न्यायिक उदाहरण भी प्रस्तुत किए। ग्वालियर के जीआरएमसी में प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर पदों पर सीधी भर्ती को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसी तरह खंडवा मेडिकल कॉलेज के मामले में भी न्यायालय का फैसला शिक्षकों के पक्ष में आया, जबकि रतलाम मेडिकल कॉलेज में इस मुद्दे पर फिलहाल स्टे लगा हुआ है। इन उदाहरणों के आधार पर शिक्षकों ने वर्तमान भर्ती प्रक्रिया को अवैधानिक बताया।

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में 'आंतरिक सीधी भर्ती' को लेकर विवाद

निंदा प्रस्ताव पास, निरस्तीकरण की मांग

बैठक में सीधी भर्ती के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया और इसे तत्काल निरस्त करने की मांग उठाई गई। शिक्षकों का आरोप है कि इस प्रक्रिया से सर्विस प्रोटेक्शन खत्म हो जाएगा, जिससे भविष्य में प्रमोशन और वेतन लाभों में भारी असमानता पैदा होगी। उनका कहना है कि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के अधिकारों को नजरअंदाज कर सीधी भर्ती लागू करना न्यायसंगत नहीं है। बैठक के बाद सभी पदाधिकारी अधिष्ठाता कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान केवल सामूहिक विरोध ही नहीं, बल्कि पात्र शिक्षकों ने व्यक्तिगत रूप से भी लिखित बहिष्कार पत्र जमा किए।

कल भोपाल में निकलेंगी दो भव्य शोभायात्राएं

15 फीट की हनुमान प्रतिमा रहेगी आकर्षण, हनुमान जन्मोत्सव पर रहेगा भक्तिमय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर 2 अप्रैल को राजधानी में धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल देखने को मिलेगा। शहर में अलग-अलग संगठनों द्वारा दो प्रमुख भव्य शोभायात्राओं का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। जय मां भवानी हिंदू संगठन द्वारा 'हिंदू एकता शोभायात्रा' निकाली जाएगी। यह यात्रा छोटा तालाब स्थित कालीघाट मंदिर से शुरू होकर चार बत्ती, बुधवारा, इतवारा, मंगलवारा, हनुमानगंज, जुमेराती, घोड़ा निकास, बस स्टैंड, भोपाल टॉकीज और सिंधी कॉलोनी होते हुए बैरसिया रोड स्थित दुर्गा मंदिर पर समाप्त होगी। यात्रा की शुरुआत हनुमान चालीसा पाठ से होगी और समापन भंडारे के साथ किया जाएगा। इस शोभायात्रा में 15 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा, राजस्थान के पारंपरिक ढोल-नगाड़े और आतिशबाजी प्रमुख आकर्षण रहेंगे। साथ ही सामाजिक मुद्दों पर आधारित प्रतीकात्मक झांकियां भी शामिल की जाएगी।

बजरंग दल निकालेगा गदा यात्रा

वहीं, बजरंग दल भोपाल विभाग द्वारा 'वीर बजरंगी गदा यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा शाम 4:30 बजे विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय, छोला रोड से शुरू होगी। यात्रा का मार्ग फूटा मकबरा, गणेश मंदिर छोला, जे.पी. नगर, डीआईजी बंगला, काजी कैम्प, सिंधी कॉलोनी और करोंद होते हुए संगठन के प्रांत कार्यालय पर समाप्त होगा। इस यात्रा में धार्मिक ध्वज, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और युवा शक्ति की भागीदारी विशेष आकर्षण रहेगी। आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में संगठन के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापत शामिल होंगे। दोनों आयोजनों को लेकर संगठनों ने प्रशासन से सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही, श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए यात्रा मार्ग पर विशेष व्यवस्थाएं करने का अनुरोध भी किया गया है।

आरोपी के खिलाफ NSA की मांग, मंत्री बोले- घर पर बुलडोजर चलाएंगे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के अशोका गार्डन इलाके में हुई 35 वर्षीय विजय राजपूत मेवाड़ (बिट्टू) की हत्या के विरोध में बुधवार को हिंदू संगठनों के लोग सड़क पर उतर आए।

सकल हिंदू समाज के आह्वान पर हिंदू उत्सव समिति, बजरंग दल सहित विभिन्न संगठनों के प्रदर्शनकारियों ने रोशनपुरा चौराहे पर बैरिकेडिंग तोड़ दी और मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच करने लगे। वे मुख्यमंत्री निवास से महज 100 मीटर दूर पॉलिटेक्निक चौराहे तक पहुंच गए। भारी पुलिस बल ने यहां मोर्चा संभाल रखा है और प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया है। बता दें कि रविवार रात अशोका गार्डन इलाके में बेटा कहकर समझाने की कोशिश करने पर आरोपियों ने विजय पर चाकू से हमला कर दिया था। गुस्साए परिजन और स्थानीय लोगों ने सुभाष कॉलोनी में चक्काजाम कर दिया था। पुलिस की समझाइश के बाद करीब आधे घंटे में जाम खुला। इस दौरान परिजन का पुलिस से विवाद भी हुआ। परिजन हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं के साथ थाना परिसर में प्रदर्शन किया। मुख्य आरोपी आसिफ उर्फ बम है। उसने साथियों के साथ मिलकर हत्या की थी। मंगलवार रात मंत्री विश्वास सारंग मृतक विजय के घर पहुंचे थे और परिजनों को ढांढस बांधा था। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही वीभत्स घटना हुई है। मैं स्वयं पीड़ित परिवार से मिला था। विजय बहुत ही होनहार युवा थे। एक गलत घटना को अंजाम दिया गया है।

भोपाल होकर जाने वाली छह ट्रेनें अप्रैल महीने में रहेंगी निरस्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अप्रैल में भोपाल से दिल्ली- रायपुर और विशाखापट्टम से रेल यात्रा से जाने वालों के लिए रेलवे की ओर से बड़ा अपडेट सामने आया है। खासतौर पर उनके लिए जो मध्य प्रदेश से यात्रा करने वालों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे ने यात्रियों से आरक्षण करने से पहले 139 से जानकारी लेने की अपील की है। दक्षिण पूर्व रेलवे ने भोपाल, बीना, इटारसी होकर जाने वाली तीन जोड़ी ट्रेनों को अस्थायी तौर पर अप्रैल माह में कैंसिल करने का फैसला लिया है, जिसका असर यात्रियों की यात्रा पर पडेगा! बता दें कि नागपुर मंडल में गोंदिया स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर तीन के डेवलेपमेंट का काम हो रहा है और कंस्ट्रक्शन अपग्रेड का काम चल रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे के जनसपंर्क अधिकारी नवल अग्रवाल ने बताया कि यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों के बेहतर संचालन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। गोंदिया रेलवे स्टेशन पर इस समय प्लेटफॉर्म और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने का काम चल रहा है। ऐसे निर्माण कार्य के दौरान ट्रैक और प्लेटफॉर्म के आसपास लगातार काम चलता रहता है।

सवारी डिब्बा कारखाने में राजभाषा समिति की तिमाही बैठक का आयोजन

राजभाषा दैनंदिनी 2026 का किया विमोचन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं मुख्य कारखाना प्रबंधक महोदय प्रफुल्ल वी. कोहाड़े, की अध्यक्षता में समिति की 87वीं तिमाही समीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें दिसंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के दौरान किये गए कार्यों की समीक्षा की गईं। संपर्क राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी एम.एल.मीना ने अपने स्वागत भाषण के माध्यम से बैठक की जानकारी दी।

अध्यक्षीय संबोधन में प्रफुल्ल वी. कोहाड़े ने कहा कि मुझे यह जानकर बड़ी प्रसन्नता है कि कारखाना में राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार पूर्ण निष्ठा और सक्रियता से किया जा रहा है। हिंदी हमारी राजभाषा है जिसके माध्यम से सरकारी कामकाज आम जनता की भाषा में संपन्न किया जाता है। उन्होंने समिति को संबोधित करते हुए आगे कहा कि केंद्रीय सरकारी कर्मचारी होने के नाते यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम उत्पादन के साथ-साथ भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करें। बैठक में राजभाषा अनुभाग द्वारा प्रकाशित राजभाषा दैनंदिनी 2026 का विमोचन भी किया गया। उन्होंने कहा कि मैं आशा करता हूँ कि इस राजभाषा मार्गदर्शिका में प्रकाशित राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियमों व दैनिक सरकारी कामकाज में सामान्यतः प्रयुक्त होने वाली कार्यालयीन टिप्पणियों आदि की जानकारियों से हमारे अधिकारियों एवं कर्मचारियों का ज्ञानवर्धन होगा तथा वे और अधिक सहजता एवं सरलता से अपने दैनिक सरकारी कामकाज को राजभाषा हिंदी में निष्पादित करने में सक्षम होंगे। आयोजित बैठक में कारखाने के सभी विभागों के अधिकारी, शॉप एवं अनुभागों के प्रभारी पर्यवेक्षकों/मुख्य कार्यालय अधीक्षकों व उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का संचालन एवं आभार प्रदर्शन राकेश कुमार मालवीय, वरिष्ठ अनुवादक द्वारा किया गया।

कमर्शियल सिलेंडर 195 महंगा: भोपाल में 2084, इंदौर में 2186 रु का मिलेगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

किल्लत के बीच मध्य प्रदेश में कमर्शियल LPG सिलेंडर 195 रुपए महंगा हो गया है। यह बढ़ोतरी घरेलू सिलेंडर के रेट 60 रुपए बढ़ाने के 25 दिन बाद 1 अप्रैल से की गई है। प्रदेश के 50 हजार से ज्यादा होटल और रेस्टोरेंट को जरूरत का 9% सिलेंडर ही मिल रहा है।

इससे कई होटल-रेस्टोरेंट का मेन्यू बदल गया है। गैस के रेट बढ़ने से खाना भी महंगा होगा। एमपी के 5 बड़े शहरों में भोपाल में 19 Kg कमर्शियल सिलेंडर 2084 रुपए, इंदौर में 2186 रुपए, जबलपुर में 2295 रुपए, ग्वालियर में 2307 रुपए और उज्जैन में 2251 रुपए में मिलेगा।

रीवा में सिलेंडर सबसे महंगा 2331 रुपए में मिलेगा। नरसिंहपुर, सिंगरौली, सतना, कटनी, बालाघाट, पन्ना, रायसेन, शहडोल, मंडला, सीधी, अनूपपुर, डिंडौरी, उमरिया, सिवनी, श्योपुर, शिवपुरी, भिंड, मुरैना, दतिया, टीकमगढ़ और निवाड़ी में रेट 2300 रुपए या इससे अधिक है।

इंदौर में सबसे कम, शाजापुर-सीहोर में भी औसत- प्रदेश में सबसे सस्ता कमर्शियल सिलेंडर इंदौर में है। यहां पहले 2021 रुपए में सिलेंडर मिलता था। 195 रुपए बढ़ने के बाद रेट 2186 रुपए हो गए हैं। शाजापुर-सीहोर में नए रेट 2091 रुपए, हरदा में 2114 रुपए, सागर में 2119 रुपए, नर्मदापुरम-विदिशा में 2120 रुपए है।

मेट्रो एंकर

करीब एक लाख बच्चे नहीं ले पाएंगे मनपसंद स्कूल में एडमिशन

आरटीई में 1.22 लाख सीटों के लिए मिले 2.10 लाख आवेदन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश को लेकर इस बार भी काफी संख्या में आवेदन मिले हैं। प्रदेश के करीब 26 हजार निजी स्कूलों में उपलब्ध 1.22 लाख सीटों के लिए कुल 2.10 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। मंगलवार को आवेदन और सत्यापन प्रक्रिया समाप्त हो गई, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि इस बार भी बड़ी संख्या में बच्चे मनपसंद स्कूल में प्रवेश से वंचित रह जाएंगे।

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित होती हैं, जहां उन्हें निशुल्क शिक्षा दी जाती है। हालांकि, प्रदेश में हर साल सीटों की संख्या घटने और आवेदनों की संख्या बढ़ने से समस्या और गंभीर होती जा रही है। इस वर्ष प्राप्त 2.10 लाख आवेदनों में से अब तक लगभग 1.78 लाख का सत्यापन पूरा हो पाया है, जबकि करीब 32 हजार आवेदनों का सत्यापन नहीं हो सका। ऐसे में लॉटरी प्रक्रिया में शामिल होने वाले आवेदकों की संख्या सीमित रह जाएगी।

दो अप्रैल को लॉटरी के माध्यम से स्कूलों का आवंटन किया जाएगा। इस वर्ष भी सीटों की तुलना में लगभग दोगुने आवेदन आने के कारण करीब एक लाख बच्चों को इस बार भी मनचाहा स्कूल नहीं मिल पाएगा। खासतौर पर बड़े शहरों में स्थिति ज्यादा चुनौतीपूर्ण है।

बड़े शहरों में बढ़ा दबाव

भोपाल में 7359 सीटों के लिए 15527 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इंदौर में लगभग 9000 सीटों पर 12886 आवेदन, ग्वालियर में 4787 सीटों के लिए 6110 आवेदन और जबलपुर में 3502 सीटों पर 6985 आवेदन आए हैं। इससे स्पष्ट है कि शहरी क्षेत्रों में आरटीई के तहत प्रवेश की मांग तेजी से बढ़ रही है। वहीं दूसरी ओर, कई छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के निजी स्कूलों में एक भी आवेदन नहीं आया है।

सीएम का फोकस आध्यात्म पर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ने वाराणसी में मध्यप्रदेश- उत्तरप्रदेश सहयोग सम्मेलन- 2026 अंतर्गत मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के आध्यात्मिक और धार्मिक सर्किट के साझा प्रचार के लिए राउंड टेबल सेशन को संबोधित किया।

सावधान : एमपी में मिलावट, 2 हजार से ज्यादा सैंपल फेल

60 फीसदी डेयरी प्रोडक्ट खराब, शरीर में पहुंच रहे केमिकल से हृदय रोग तक का बढ़ रहा खतरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में खाने-पीने की चीजों में मिलावट अब सिर्फ शिकायत नहीं, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुकी है। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की हाल में एक रिपोर्ट सामने आई। जिसमें 2000 से ज्यादा फूड सैंपल फेल पाए गए। सबसे ज्यादा मामले करीब 420 ग्वालियर से सामने आए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले दूध, मावा, पनीर और घी जैसे डेयरी प्रोडक्ट ही सबसे ज्यादा मिलावटी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मिलावट केवल फूड पॉइजनिंग ही नहीं, बल्कि डायबिटीज, हार्ट डिजीज और

हार्मोनल बीमारियों तक का कारण बन रही है। एफडीए की यह रिपोर्ट मोबाइल वैन के जरिए लिए गए सैंपल और उनकी टेस्ट रिजल्ट के आधार पर तैयार की गई है। जिसमें बीते तीन साल के आंकड़े शामिल हैं। यह पहली बार है जब मोबाइल वैन के संचालन से लेकर अब कर लिए गए एक लाख सैंपल की कंपाइल रिपोर्ट सामने आई है।

ग्वालियर सबसे आगे, कई जिलों में फैला मिलावट का जाल

राज्य के खाद्य सुरक्षा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार ग्वालियर जिले में सबसे ज्यादा मिलावट के मामले सामने आए हैं, जहां करीब 420 सैंपल फेल पाए गए। इसके बाद गुना (110), उज्जैन (95), भिंड (90) और बुरहानपुर (75) जैसे जिलों में भी बड़ी संख्या में नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे। इसके अलावा शाजापुर, इंदौर, धार, रीवा, सागर, सीहोर और नरसिंहपुर सहित 30 से अधिक जिलों में मिलावट का जाल फैला हुआ है। जांच में दूध, पनीर, मावा, मिठाइयों और मसालों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है।

मिलावट से शरीर को कैसे हो रहा नुकसान

गांधी मेडिकल कॉलेज के एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. मनुज शर्मा बताते हैं कि मिलावटी भोजन में मौजूद एंडोक्राइन डिसरप्टिंग केमिकल्स (जैसे माइक्रोप्लास्टिक, हेवी मेटल) शरीर में जाकर हार्मोन सिस्टम को प्रभावित करते हैं। इससे गट हेल्थ खराब होती है। बॉडी में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया नष्ट होते हैं। शरीर में पोषण की कमी होती है। इसके साथ ही मोटापा, डायबिटीज और पीसीओडी जैसी बीमारियां बढ़ती हैं। सिर्फ डेयरी ही नहीं, मसाले और खाद्य तेल भी मिलावट से अछूते नहीं हैं। लाल मिर्च, धनिया पाउडर, हल्दी और सोयाबीन तेल के कई सैंपल फेल पाए गए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इनका लगातार सेवन लिवर और किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है और लंबे समय में कैंसर का खतरा भी बढ़ा सकता है।

निगम-मंडलों में नियुक्तियों की सूची तैयार

केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी मिलते ही जारी होगी लिस्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में निगम, मंडल, प्राधिकरण और आयोगों में राजनीतिक नियुक्तियों का लंबा इंतजार अब जल्द खत्म हो सकता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में हुई बैठक में संभावित नामों की सूची लगभग तय कर ली गई है। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल शामिल रहे। मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश संगठन के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ भी इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। जानकारी के अनुसार इस सूची में 50 से ज्यादा नेताओं के नाम शामिल हैं। इससे पहले केंद्रीय नेतृत्व ने सूची वापस भेजकर कुछ और नाम जोड़ने को कहा था, जिसके बाद प्रदेश संगठन ने इसमें संशोधन किया। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्रीइस सूची को लेकर दिल्ली जा सकते हैं। केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी मिलने के बाद नियुक्तियों का ऐलान किया जाएगा। संभावना है कि अप्रैल के पहले सप्ताह में इन पदों पर नियुक्तियां हो सकती हैं।

विवाद वाले पद फिलहाल टल सकते हैं

जहां-जहां नामों को लेकर विवाद की स्थिति है, वहां फिलहाल नियुक्तियां टाली जा सकती हैं। बाकी पदों पर सहमति बनने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। बता दें इससे पहले प्रदेश में 123 नगर परिषद और 46 नगर पालिका में 750 से अधिक एल्डरमैनों की नियुक्ति की गई। साथ ही ग्वालियर से आने वाले फायर ब्रांड हिंदूवादी नेता जयभान सिंह पवैया को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया।

मोहन सरकार ने निरस्त कर दी थी नियुक्तियां

मोहन सरकार ने वर्ष 2024 में निगम, मंडल, प्राधिकरण और बोर्डों के अध्यक्ष, उपाध्यक्षों की नियुक्तियां निरस्त कर दी थी। इसके बाद से नई सरकार बने दो से ढाई साल का समय बीत गया हैं। इसके बावजूद अब तक राजनीतिक नियुक्तियां नहीं हो सकी।

चार-पांच अप्रैल को भोपाल में संघ का समन्वय वर्ग

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत का दो दिवसीय समन्वय वर्ग चार और पांच अप्रैल को भोपाल के शारदा विहार आवासीय विद्यालय में होगा। इसमें प्रांत कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी और वर्ग में अपेक्षित कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे। वर्ग में संघ के सभी आनुषांगिक संगठनों के प्रांत स्तर के पदाधिकारी भी भाग लेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी, सेवा भारती, संस्कार भारती आदि संगठनों के पदाधिकारी सम्मिलित रहेंगे। वर्ग में संघ की कार्यपद्धति, पंच परिवर्तन, संघ शताब्दी वर्ष में प्रस्तावित कार्यक्रमों के बारे में बताया जाएगा। सभी आनुषांगिक संगठनों को किस तरह से मिलकर संघ शताब्दी वर्ष में काम करना है, इस पर भी चर्चा होगी। शारीरिक सत्र भी होंगे। समन्वय वर्ग के उद्घाटन और समापन सत्र में संघ के अखिल भारतीय पदाधिकारी भी सम्मिलित हो सकते हैं।

लाचारी और मुनाफाखोरी

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल-फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे-बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल-फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दर्शाता है।

दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता।

वास्तव में जरूरत इस बात की है कि बीमा कराते वक्त ईमानदारी से बीमे से जुड़ी शर्तों से उपभोक्ता को अवगत कराया जाए। लेकिन इससे जुड़े जटिल व अस्पष्ट नियमों को पारदर्शी ढंग से समझाया ही नहीं जाता, जिसको वे बाद में इलाज कराने के उपरांत भुगतान रोकने का जरिया बना लेती हैं। जिसके चलते अक्सर अस्पताल में भर्ती होने पर आए खर्च और बीमा कंपनियों द्वारा भुगतान की गई राशि में बड़ा अंतर नजर आता है। निस्संदेह, देश में इस दिशा में उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच होनी चाहिए कि मरीजों को बीमे का कितना लाभ मिला और अस्पताल तथा बीमा कंपनियों के मुनाफे का स्तर क्या रहा। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए निगरानी हेतु एक राष्ट्रीय तंत्र बनाया जाना जरूरी है।

हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष

मैनेजमेंट गुरु पवनपुत्र हनुमान, असंभव को संभव बनाने की शक्ति एवं संकल्प

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

आज जब चैत्र मास की पूर्णिमा का चंद्रमा अपनी पूरी आभा के साथ आकाश में उदित होगा, तो धरती पर एक ऐसी ऊर्जा का संचार होगा जो सदियों से भारतीय जनमानस के रोम-रोम में बसी है। यह दिन केवल एक कैलेंडर की तिथि नहीं है, बल्कि उस महाशक्ति के अवतरण का उत्सव है जिसे हम हनुमान कहते हैं। हनुमान जी का व्यक्तित्व किसी परिचय का मोहताज नहीं है; वे घर-घर के रक्षक, संकटों के नाशक और हर व्याकुल हृदय के परम साथी हैं। उनकी महिमा का गान जितना सरल है, उनका जीवन दर्शन उतना ही गहरा और प्रेरणादायी है। उनकी सबसे बड़ी सुंदरता उनकी निस्वार्थ भक्ति में छिपी है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि ईश्वर को पाने के लिए किसी कठिन आडंबर की नहीं, बल्कि निर्मल मन और पूर्ण समर्पण की आवश्यकता होती है।

एक ओर जहाँ उनके पास लंका को भस्म करने और समुद्र को एक छलांग में लांघने की असीम शक्ति थी, वहीं दूसरी ओर वे प्रभु राम के चरणों में एक अबोध बालक की भांति विनत रहते थे। उनकी शक्ति में कोई अहंकार नहीं था और उनकी विनम्रता में कोई कमजोरी नहीं थी। जब उनसे उनकी अद्भुत सामर्थ्य का रहस्य पूछा गया, तो उन्होंने बड़ी सहजता से कहा कि जो कुछ भी है, वह केवल राम नाम की महिमा है। यह शून्य हो जाने का भाव ही उन्हें ब्रह्मांड का सबसे बड़ा भक्त बनाता है। अक्सर हम शक्ति को अधिकार और अधिपत्य से जोड़कर देखते हैं, लेकिन हनुमान जी ने शक्ति की परिभाषा ही बदल दी। उनके पास अष्ट सिद्धि और नव निधि का वरदान था, जिससे वे सूक्ष्म से सूक्ष्म और विशाल से विशाल रूप धर सकते थे, किंतु उन्होंने इस सामर्थ्य का उपयोग केवल जनकल्याण और प्रभु काज के लिए किया। यह संयम आज के नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी सीख है कि शक्ति जितनी अधिक हो, विनम्रता उतनी ही गहरी होनी चाहिए।

जब हम सुंदरकांड के प्रसंगों को पढ़ते हैं, तो पाते हैं कि हनुमान जी केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि एक चतुर कूटनीतिज्ञ और संवाद के ज्ञाता भी थे। लंका में विभीषण को अपनी ओर मिलाना हो या रावण की सभा में निर्भीकता से अपनी बात रखना, उनकी वाकपटुता बेमिसाल थी। वे सिखाते हैं कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी धैर्य नहीं खोना चाहिए और शत्रु के घर में भी मित्र ढूँढने की दृष्टि रखनी चाहिए। आज के प्रतिस्पर्धी युग में, जहाँ छोटी-छोटी असफलताओं पर लोग टूट जाते हैं, हनुमान जी का अटूट आत्मविश्वास एक संजीवनी की तरह काम करता है। उनका चरित्र हमें टीम वर्क और समर्पण की अनूठी शिक्षा देता है। लंका विजय के महाभियान में उन्होंने कभी भी श्रेय लेने की कोशिश नहीं की। जब भगवान राम ने उन्हें गले लगाया और भरत के समान प्रिय कहा, तब भी वे हाथ जोड़कर चरणों में ही बैठे रहे। यह दर्शाता है कि सच्चा सेवक वही है जो परिणाम की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे और सफलता का श्रेय अपने आराध्य को सौंप दे।

आज के इस भागदौड़ भरे युग में हनुमान जी एक मैनेजमेंट गुरु की तरह नजर आते हैं। लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, मार्ग में कितनी भी बाधाएँ क्यों न आएं, हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि बुद्धि और पराक्रम के सही संतुलन से हर मुश्किल को जीता जा सकता है। लक्ष्मण जी के प्राण बचाने के लिए पूरी पहाड़ी उठा लाना यह दर्शाता है कि जब अपनों पर संकट आए, तो असंभव शब्द डिक्शनरी से बाहर कर देना चाहिए।

वे युवाओं के लिए एकाग्रता और अनुशासन के जीते-जागते उदाहरण हैं। उनकी लंगोट का त्याग और सिंदूरी चोला हमें सादगी और सात्विकता का मार्ग दिखाता है। हनुमान जयंती मनाना केवल मंदिरों में चोला चढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आज के दौर में जब समाज में स्वार्थ बढ़ रहा है, तब हनुमान जी का सेवा परमो धर्म का संदेश एक प्रकाश स्तंभ की तरह है। हनुमान जी एक ऐसी वैश्विक चेतना हैं जो सीमाओं और मजहबों से परे है। दुनिया के कई देशों में उन्हें अलग-अलग नामों से पूजा जाता है, क्योंकि संकट हर इंसान के जीवन में आता है और हर इंसान को एक संकटमोचन की तलाश होती है। वे भय से मुक्ति का मार्ग हैं। जब हम नासै रोग हरै सब पीरा का जाप करते हैं, तो वह केवल शब्द नहीं होते, बल्कि एक अटूट विश्वास होता है जो हमारी कोशिकाओं में नई ऊर्जा भर देता है। हनुमान जी का नाम ही पर्याप्त है मन के हर संशय और दुर्बलता को मिटाने के लिए। जैसे-जैसे आज का दिन चढ़ेगा, हर ओर जय सिया राम के उद्घोष गूंजेंगे। लेकिन सच्ची पूजा तब होगी, जब हम उनके साहस को अपने आचरण में और उनकी करुणा को अपने व्यवहार में उतारेंगे। हनुमान जी चिरंजीवी हैं, वे कल भी थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। वे हर उस व्यक्ति के साथ हैं जो धर्म और सत्य की राह पर अडिग है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हर परिस्थिति में मुस्कुराने की कला दुःख में सुख खोजने का जीवन दर्शन

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

जीवन अपने आप में एक अनवरत प्रवाह है, जिसमें सुख और दुःख दोनों ही साथ-साथ चलते हैं। जैसे दिन और रात का क्रम कभी रुकता नहीं, उसी प्रकार जीवन में प्रसन्नता और पीड़ा का आना-जाना भी स्वाभाविक है। मनुष्य सामान्यतः सुख की इच्छा करता है और दुःख से बचना चाहता है, परंतु यह सत्य है कि दुःख भी जीवन का अभिन्न अंग है। यदि हम केवल सुख की अपेक्षा करें और दुःख आने पर विचलित हो जाएँ, तो हम जीवन के वास्तविक स्वरूप को समझ ही नहीं पाते। जीवन का सौंदर्य इसी में है कि हम हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखें और मुस्कराते हुए आगे बढ़ते रहें।

मनुष्य को प्रकृति ने विवेक और बुद्धि का अद्भुत वरदान दिया है। यही कारण है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी समाधान खोज सकता है। यदि वह चाहे तो दुःख को भी सीख में बदल सकता है और पीड़ा को प्रेरणा में परिवर्तित कर सकता है। जिस प्रकार गंदगी से ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है और अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएँ बनाई जा सकती हैं, उसी प्रकार मनुष्य अपने जीवन के दुःखों को भी सकारात्मक दिशा दे सकता है। यह सब उसकी सोच और दृष्टिकोण पर निर्भर करता है।

दुःख का मूल कारण बाहर नहीं, बल्कि भीतर छिपा होता है। जब मनुष्य अपने कर्तव्यों से विमुख हो जाता है, जब वह असावधानी और प्रमाद में जीने लगता है, तब वह स्वयं अपने दुःखों का कारण बनता है। प्रमाद का अर्थ है, वास्तविकता को न समझना, गलत को सही मान लेना और अपने विवेक का उपयोग न करना। जब हम अपने भीतर के इस प्रमाद को पहचान लेते हैं और उससे ऊपर उठने का प्रयास करते हैं, तब हम अपने जीवन को नई दिशा दे सकते हैं। यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि रोना या विलाप करना किसी समस्या का समाधान नहीं है। दुःख आने पर यदि हम निराश होकर बैठ जाएँ, तो हम स्वयं को और अधिक कमजोर बना लेते हैं। इसके विपरीत यदि हम धैर्य और साहस के साथ परिस्थितियों का सामना करें, तो वही दुःख हमारे लिए शक्ति का स्रोत बन सकता है। जो व्यक्ति कठिनाइयों में भी मुस्कराना सीख लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन का आनंद उठा पाता है। इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जिन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और समता का परिचय दिया। उन्होंने अपने दुःखों को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, बल्कि उन्हें आत्मविकास का माध्यम बनाया। यही कारण है कि वे आज भी आदर्श के रूप में स्मरण किए जाते हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि दुःख स्थायी नहीं होते, वे भी समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। इसलिए हमें उनसे घबराने के बजाय उनका सामना करना चाहिए। जीवन में असफलता और कठिनाई का आना भी उतना ही आवश्यक है जितना सफलता का। यदि जीवन में केवल सुख ही सुख हो, तो उसका कोई विशेष महत्व नहीं रह जाता। दुःख ही वह भूमि है, जहाँ से सुख के पुष्प खिलते हैं। जैसे कीचड़ में कमल खिलता है, उसी प्रकार दुःख की परिस्थितियाँ ही हमें मजबूत बनाती हैं और सफलता का वास्तविक मूल्य समझाती हैं। इसलिए हमें दुःख को शत्रु नहीं, बल्कि मित्र की तरह स्वीकार करना चाहिए, जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

समत्व भाव का अर्थ है, हर परिस्थिति में संतुलित रहना। जब हम सुख में अत्यधिक उत्साहित नहीं होते और दुःख में अत्यधिक विचलित नहीं होते, तब हम समत्व की अवस्था में पहुँचते हैं। यह अवस्था हमें आंतरिक शांति प्रदान करती है और हमें स्थिर बनाती है। समत्व का अभ्यास करने से हम जीवन के उतार-चढ़ाव को सहजता से स्वीकार कर पाते हैं।

दृष्टिकोण का परिवर्तन भी जीवन को बदल सकता है। जब हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाते हैं, तो वही परिस्थितियाँ, जो पहले हमें दुःखद लगती थीं, अब हमें अवसर के रूप में दिखाई देने लगती हैं। यदि हम हर घटना में कुछ अच्छा खोजने का प्रयास करें, तो हमें जीवन में निराशा का अनुभव नहीं होगा। यह दृष्टि हमें भीतर से मजबूत बनाती है और हमें आत्मविश्वास से भर देती है।

एक प्रेरणादायक तथ्य यह भी है कि समय हर घाव को भर देता है। चाहे दुःख कितना भी बड़ा क्यों न हो, समय के साथ उसकी तीव्रता कम हो जाती है। यदि हम धैर्य बनाए रखें और अपने मन को सकारात्मक कार्यों में लगाएँ, तो हम धीरे-धीरे उस दुःख से बाहर निकल सकते हैं। इसलिए कठिन समय में धैर्य रखना अत्यंत आवश्यक है। जीवन का वास्तविक आनंद तभी प्राप्त होता है, जब हम उसे पूरे उत्साह और सकारात्मकता के साथ जीते हैं। यदि हम हर छोटी-बड़ी बात पर निराश हो जाएँ, तो हम जीवन की सुंदरता को महसूस ही नहीं कर पाएँगे। इसके विपरीत यदि हम हर परिस्थिति में मुस्कराने का प्रयास करें, तो जीवन हमें अधिक सरल और सुखद प्रतीत होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि दुःख और सुख दोनों ही जीवन के शिक्षक हैं। दुःख हमें सहनशीलता, धैर्य और आत्मबल सिखाता है, जबकि सुख हमें संतोष और प्रसन्नता का अनुभव कराता है। यदि हम दोनों को समान भाव से स्वीकार कर लें, तो हम जीवन के वास्तविक आनंद को प्राप्त कर सकते हैं। मुस्कराना केवल एक भाव नहीं, बल्कि एक कला है, जिसे अपनाकर हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि हम हर परिस्थिति में मुस्कराना सीखें, अपने मनोबल को मजबूत रखें और जीवन के हर अनुभव को सीख के रूप में स्वीकार करें। यही जीवन का सच्चा आनंद है और यही सच्ची सफलता भी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

एनर्जी-ताकत बढ़ाने के लिए जरूरी है विटामिन बी12 फूड, वेज-नॉनवेज दोनों मौजूद

आजकल लोगों के अंदर कम मात्रा में देखे जाने वाले न्यूट्रिएंट में विटामिन बी12 प्रमुख है। डॉक्टर के रूप में मेरे पास आने वाले मरीजों के अंदर अक्सर इसकी कमी के लक्षण देखे जाते हैं, जिसमें सबसे आम थकान और कमजोरी होते हैं। ताकत और एनर्जी बढ़ाने के लिए आपको विटामिन बी12 देने वाले फूड्स का सेवन करना चाहिए। सबसे अच्छी बात है कि यह विटामिन वेजिटेरियन और नॉन-वेजिटेरियन दोनों तरह के खाने में उपलब्ध होता है। दूध, दही, पनीर, अंडा, चिकन, मछली खाकर इस पोषक तत्व को प्राप्त किया जा सकता है।

विटामिन बी12 क्यों जरूरी है?: शरीर में रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन, नर्वस सिस्टम की हेल्थ और एनर्जी प्रोडक्शन के लिए विटामिन बी12 बेहद आवश्यक होता है। इसकी कमी के शिकार लोगों में लगातार थकान रहना और कमजोरी महसूस करना जैसे संकेत दिखते हैं। जिसे अक्सर काम का बोझ या नींद की कमी मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। चूंकि, कोबालामिन कम वेजिटेरियन फूड्स में होता है, इसलिए पूर्ण शाकाहारी और अनियमित खानपान वाले लोगों में इसकी डेफिशिएंसी का खतरा ज्यादा होता है।

ताकत और एनर्जी के लिए बी12 की जरूरत: शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने में विटामिन बी12 मदद करता है। यह हीमोग्लोबिन ऑक्सीजन को लेकर शरीर के हर हिस्से तक पहुंचाता है। इस कारण बी12 का लेवल कम होने पर शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई भी घट जाती है, जिससे बॉडी के अंदर एनर्जी का लेवल गिरने लगता है। कोबालामिन कम होने पर मांसपेशियां जल्दी थक जाती हैं। मरीज को हल्का-सा काम करने के बाद भी कमजोरी महसूस होने लगती है। इसे कभी भी सामान्य थकान समझकर इग्नोर नहीं करना चाहिए।

विटामिन बी12 की कमी के कारण?: आज के दौर में विटामिन बी12 यानी कोबालामिन की कमी के कई कारण हैं- पूरी डाइट का शाकाहारी होना (क्योंकि बी12 मुख्य रूप से एनिमल प्रोडक्ट्स में पाया जाता है), गैस्ट्राइटिस जैसी पेट से जुड़ी समस्याएं, उम्र बढ़ने की वजह से, लंबे समय तक कुछ खास दवाइयों का सेवन करने पर और जंक फूड और अनबैलेंस्ड डाइट लेने पर। हमेशा थकान-कमजोरी महसूस करना, चक्कर आना या सिर घूमना, याददाश्त में कमी आना, हाथ-पैर में झनझनाहट होना और चिड़चिड़ापन या अचानक मूड स्विंग होने के लक्षण दिखें तो इन्हें इग्नोर नहीं करना चाहिए। वेजिटेरियन फूड में दूध और दही, पनीर, सोया प्रोडक्ट्स और फोर्टिफाइड सीरियल्स ले सकते हैं। नॉन-वेजिटेरियन फूड में अंडा, मछली, चिकन, जानवरों की कलेजी (सबसे ज्यादा विटामिन बी12 देने वाला सोर्स) ले सकते हैं।

सुविचार

जीवन ना तो भविष्य में हैं और ना ही अतीत में हैं, जीवन तो केवल वर्तमान में हैं।

-अज्ञात

निशाना

अपने गम में तू हमें..!

धर्मराज देशराज

हम तुझे तुझसे चुरायेंगे चले जायेंगे
आँख से आँख मिलाएंगे चले जायेंगे।
पास अपने न रकीबों को तुम रखो यारो
आग पानी में लगाएंगे चले जायेंगे।
अपने ग़म में तू हमें यार समझ ले शामिल
खून के अश्क बहाएंगे चले जायेंगे।
तुझको पाने की तलब लाई है दर पर तेरे
हाल-ए-दिल अपना सुनाएंगे चले जायेंगे।
आपके साथ गुज़ारे हुये लम्हें अक़्सर
नींद से रोज़ जगायेंगे चले जायेंगे।
यार सच्चे जो न होंगे तो ये होगा यारो
ज़ख्म से दिल को सजाएँगे चले जाएँगे।
हम जमीं पर हैं 'धरम' एक मुसाफिर जैसे
नाज़ हर ग़म के उठाएंगे चले जायेंगे।

नॉलेज

शनि के वायुमंडल में कुदरत का पावर प्लांट! उस पहेली का मिला जवाब, जिसने नासा को थकाया

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने एक ऐसी गुत्थी सुलझाई है जो पिछले कई दशकों से एस्ट्रोनॉमी की दुनिया को परेशान कर रही थी। नॉर्थम्ब्रिया यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके यह पता लगाया है कि आखिर शनि की रोटेशन स्पीड अलग-अलग माप में अलग क्यों नजर आती है। जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्च में छपी इस रिपोर्ट के मुताबिक, यह सब शनि के ऑरोरा यानी वहां की नार्दन लाइट्स और हीट के एक जटिल पैटर्न की वजह से हो रहा है। यह पूरा सिस्टम एक सेल्फ-सस्टेनिंग फीडबैक लूप पर काम करता है, जो ग्रह की अपनी ऊर्जा से ही चलता है।

साल 2004 में जब नासा का कैसिनी अंतरिक्ष यान शनि के पास पहुंचा, तो उसने कुछ अजीब नोटिस किया। डेटा से संकेत मिले कि शनि के घूमने की रफ्तार समय के साथ धीरे-धीरे बदल रही है। साइंटिफिक नजरिए से यह लगभग नामुमकिन था, क्योंकि कोई भी ग्रह अपनी मर्जी से अचानक तेज या धीमा नहीं घूम सकता।

टेलीस्कोप ने पकड़ी चालाकी: जेम्स वेब टेलीस्कोप की क्षमताएं पिछले किसी भी इंस्ट्रूमेंट से कहीं ज्यादा हैं। टीम ने शनि के उत्तरी ऑरोरा क्षेत्र को लगातार एक पूरे शनि दिवस (Saturnian Day) तक ट्रैक किया। उन्होंने ट्राई-हाइड्रोजन केशन (Trihydrogen Cation) नाम के एक मॉलिक्यूल से निकलने वाली इन्फ्रारेड चमक का एनालिसिस किया। यह मॉलिक्यूल शनि के वायुमंडल में एक थर्मामीटर की तरह काम करता है। इसकी मदद से वैज्ञानिकों ने पहली बार ऑरोरा वाले इलाके का हाई-रिजोल्यूशन तापमान और पार्टिकल डेंसिटी मैप तैयार किया। पुराने डेटा में जहां 50 डिग्री सेल्सियस तक की गलतियां होती थीं, जेम्स वेब का डेटा उससे दस गुना ज्यादा सटीक निकला। रिसर्च में चौंकाने वाली बात सामने आई कि शनि का ऑरोरा सिर्फ एक खूबसूरत रोशनी का शो नहीं है। यह असल में वायुमंडल को एक खास जगह पर गर्म कर रहा है। जब यह हिस्सा गर्म होता है, तो वहां तेज हवाएं चलने लगती हैं। ये हवाएं फिर से इलेक्ट्रिकल करंट पैदा करती हैं, जो ऑरोरा को और ज्यादा पावर देती हैं। प्रोफेसर टॉम स्टालार्ड इसे एक 'प्लेनेटरी हीट पंप' कहते हैं। उनके मुताबिक, ऑरोरा हवाओं को चलाता है और हवाएं ऑरोरा को ऊर्जा देती हैं। यह एक ऐसा सिस्टम है जो खुद को ही फीड करता रहता है। इसी वजह से वैज्ञानिकों को रोटेशन की गलत रीडिंग मिल रही थी।

अजब - गजब

ऐसा भी हो सकता है! पहाड़ों की हवा को बोतल में कैद कर दिल्ली में बेच रहा युवक

आज के समय में लोग पैसा कमाने के लिए लोग नए-नए और अनोखे एक्सपेरिमेंट करते रहते हैं। लेकिन कभी-कभी कोई साधारण सा सोच भी इतना अलग होता है कि वह सभी का ध्यान खींच लेता है। ऐसा ही एक दिलचस्प मामला सामने आया है, जहां एक लड़के ने अपनी इसका वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि एक लड़के ने लोगों से पूछा कि क्या हवा को बेचा जा सकता है? वह घूमने के लिए हिमाचल प्रदेश गया था। वहां की ठंडी हवा, हरियाली और शुद्ध वातावरण ने उसे बहुत प्रभावित किया। पहाड़ों की ताजी हवा का अनुभव उसके लिए बिल्कुल अलग और सुकून देने वाला था। इसी दौरान उसके मन में एक अनोखा ख्याल आया क्यों न इस ताजी हवा को किसी तरह अपने साथ ले जाया जाए और इसे बेचा जाए?

अपने इस आइडिया को सच करने के लिए उसने एक प्रेशर स्प्रेयर का इस्तेमाल किया और पहाड़ों के उस जगह से हवा को बोतल में भरना शुरु कर दिया जहां एकदम ताजी हवा थी। यह काम सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन उसने इसे बड़े आराम से किया और कई बोतलों में हवा भरकर अपने साथ दिल्ली ले आया।

अनोखा 'हवा एक्सपीरियंस : दिल्ली लौटने के बाद लड़के ने लोगों से भरे दिल्ली के कनॉट प्लेस जाकर लोगों को बताया कि यह बोतलों में भरी हवा हिमाचल की है और शहर की हवा से बिल्कुल अलग महसूस होती ह। यह बात सुनकर आसपास के लोग उत्सुक हो गए। कई लोग सिर्फ जिज्ञासा के चलते उसके पास आए और उस 'पहाड़ी हवा' को महसूस करने की इच्छा जताई। सबसे दिलचस्प बात यह रही कि कुछ लोगों ने इस युवक के कहने पर पहाड़ों की ताजी हवा का अनुभव करने के लिए हर बोतल के 50 रुपये दिए। लोगों के लिए यह एक मजेदार और नया अनुभव था, बोतल खोलकर 'पहाड़ों की ताजगी' महसूस करना। जो चीज पहले सिर्फ एक छोटा सा मजाक या एक्सपेरिमेंट लग रही थी, वही धीरे-धीरे कमाई का जरिया बन गई। लड़के का यह आइडिया आसपास के लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया और हर कोई उसकी क्रिएटिविटी की तारीफ करने लगा।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व: रेडियो-कॉलर वाले नर बाघ का सफलतापूर्वक रेस्क्यू

तीन दिन की सतत मशक्कत के बाद सुरक्षित नियंत्रण में लिया गया

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत विगत दो से ढाई माह से नर्मदापुरम वनमंडल के रहवासी क्षेत्रों के आसपास विचरण कर रहे रेडियो-कॉलर युक्त नर बाघ को आज सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया। यह ऑपरेशन तीन दिनों तक चले सतत प्रयासों का नतीजा है, जिसमें तकनीकी ट्रैकिंग, 5 हाथियों और मैदानी दलों का समन्वित योगदान रहा।वन विभाग की टीम ने अत्यंत सतर्कता और कुशलता बरतते हुए बिना किसी अप्रिय घटना के बाघ को सुरक्षित नियंत्रित किया। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद इसे सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के उपयुक्त खुले वन क्षेत्र में पुनर्वासित (रिलीज) किया जाएगा, ताकि इसका प्राकृतिक व्यवहार और आवास संरक्षित रहे। उक्त जानकारी क्षेत्र संचालक,सतपुड़ा टाइगर रिजर्व ने विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व एवं नर्मदापुरम वनमंडल की पूरी टीम ने सराहनीय भूमिका निभाई। विशेष रूप से डॉ. गुरुदत्त शर्मा (एसटीआर), डॉ. प्रशांत देशमुख (डब्ल्यू) एवं डॉ. हमजा फारूकी (डब्ल्यूसीटी) का योगदान उल्लेखनीय रहा। वन विभाग ने स्थानीय नागरिकों के सहयोग और धैर्य के लिए भी आभार जताया, जिससे यह ऑपरेशन बिना किसी बाधा के संपन्न हो सका। क्षेत्र संचालक, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी।

न्यूज विंडो

1 अप्रैल से गेहूं खरीदी शुरू करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

धार। घरेलू एवं कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति में हो रही देरी, पेट्रोल-डीजल की किल्लत और किसानों की समस्याओं को लेकर मंगलवार को जिला कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का पुतला दहन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता इस बीच प्रतीक स्वरूप मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लिए %एक तगारी गेहूं% लेकर पहुंचे। विरोध प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने कहा कि वर्तमान में उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए 45 दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है, जबकि एक सामान्य परिवार का सिलेंडर 30 दिन में समाप्त हो जाता है। शेष 15 दिन जनता को चूल्हे या इंडक्शन पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। कांग्रेस ने मांग की है कि गैस सिलेंडर की आपूर्ति समय सीमा के भीतर सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस ने गेहूं खरीदी की तारीख को लेकर भी सरकार को घेरा। नेताओं ने कहा कि सरकार 15 अप्रैल से खरीदी शुरू करने की योजना बना रही है, जो पूरी तरह किसान विरोधी है। गेहूं की खरीदी 1 अप्रैल से ही अनिवार्य रूप से शुरू की जाए। पेट्रोल पंपों पर डीजल की लिमिट को तत्काल समाप्त किया जाए ताकि किसानों को कृषि कार्य में बाधा न आए। प्रदर्शन के बाद कांग्रेसियों ने राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार महिमा मिश्रा को सौंपा। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने वह गेहूं से भरी तगारी भी तहसीलदार को सुपुर्द की, जो मुख्यमंत्री के लिए लाई गई थी।

पालतू कुत्ते को कुचलने के बाद मालिक से बेरहमी से मारपीट

धार। शहर चाणक्यपुरी कॉलोनी में एक बेजुबान कुत्ते को जानबूझकर वाहन से कुचला गया, जब उसका मालिक विरोध करने पहुँचा, तो उस पर भी जानलेवा हमला कर दिया गया। नौगांव थाना पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट सहित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। 29 मार्च को को चाणक्यपुरी कॉलोनी की सड़क पर एक पालतू कुत्ता बैठा था, तभी एक स्कॉर्पियो चालक ने कथित तौर पर जानबूझकर गाड़ी कुत्ते के ऊपर चढ़ा दी जिससे कुत्ते ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पूरी वारदात कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। कुत्ते की मौत के बाद अगले दिन 30 मार्च को मालिक विशाल बोरासी आरोपियों के घर बातचीत करने पहुँचा था लेकिन वहाँ विवाद बढ़ गया। आरोपियों ने एकजुट होकर विशाल पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घायल विशाल ने मारपीट के दौरान अपना बचाव करते हुए मोबाइल से वीडियो भी बनाया, जिसमें वह मदद के लिए गुहार लगाता नजर आ रहा है। नौगांव पुलिस ने विशाल की शिकायत जनार्दन वैष्णव, पंकज वैष्णव, रेखा वैष्णव, बालचंद सभी निवासी चाणक्यपुरी कॉलोनी पर मारपीट की विभिन्न धाराओं के अलावा जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने पर एसटी, एससी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पशु क्रूरता करने वाला व्यक्ति हिंसक प्रवृत्ति का होता है।

जावर में पोल्ट्री फार्म की आड़ में चल रहा था अवैध कारोबार

एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, 4 करोड़ के माल के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

रतलाम। दोपहर मेट्रो

जिले के अंतर्गत आने वाले जावरा में बीते ढाई माह के भीतर पुलिस के हत्थे एमडी ड्रग बनाने की दूसरी बड़ी फैक्ट्री हाथ लगी है। पुलिस ने बीती रात इसका भंडाफोड़ कर दिया है। महू - नीमच हाईवे से लगे हुए पिपलोदा थाने के गांव बोरखेड़ा गांव से करीब 3 किलोमीटर अंदर एक तालाब के पीछे पोल्ट्री फॉर्म की आड़ में ये ड्रग फैक्ट्री चलाई जा रही थी। इसका मास्टर माइंड देवल्दी प्रतापगढ़ में रहने वाला जमशेद खान उर्फ सेठ उर्फ डॉक्टर पिता अफजल खान (42) बताया जा रहा है। पुलिस ने यहां से तीन अन्य आरोपियों के साथ ही 175 किलोग्राम से ज्यादा विभिन्न तरह का केमिकल जब्त किया है। जानकारों के अनुसार, इस केमिकल का पूरा इस्तेमाल करके एमडी ड्रग बनाई जाती तो इसकी मात्रा चार किलो के आसपास होती, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 4 करोड़ है।

बताया ये भी जा रहा है कि, एमडी ड्रग बनाने के बाद देश के विभिन्न शहरों में भेजी जानी थी। पुलिस दबिश के ठीक एक दिन पहले ही सोमवार को जमशेद और उसके साथी किसी पार्टी को तीन किलो एमडी ड्रग की सप्लाई कर चुके थे। पकड़े गए केमिकल से वे चार किलो एमडी ड्रग की नई खेप तैयार करने में जुटे थे। यहां से जब्त केमिकल, एमडी ड्रग समेत अन्य सामान की कीमत करीब 80 लाख रुपए है। सभी आरोपियों को दोपहर बाद जावरा की कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 6 अप्रैल तक के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। एसपी अमित कुमार ने बताया कि, बीती रात पुलिस ने दबिश देकर इस फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर दिया है। मुख्य आरोपी जमशेद के साथ ही उसके तीन अन्य सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जबोरखेड़ा गांव का चौकीदार (कोटोवार) युसूफ पिता शमशेर खान (45) निवासी बोरखेड़ा भी शामिल पाया गया है। दो अन्य साथियों में सलीम उर्फ राजू पिता अहमद खान (40) निवासी बन्नाखेड़ा और रांकोदा में रहने वाला रईस पिता असलम खान (35) शामिल है। रतलाम एसपी अमित कुमार ने बताया कि, ढाई माह में ही एमडी ड्रग की दूसरी फैक्ट्री का भांडाफोड़ किया गया है। इससे इस नेटवर्क पर करारी चोट मारी गई है। आरक्षक बालकृष्ण के पास एक छोटी सी इनपुट आई थी और इस पर वर्क किया तो पुलिस को अंतरराज्यीय एमडी ड्रग के बड़े नेटवर्क को उजागर करने में पुलिस को सफलता मिली है। जो केमिकल वहां से मिले हैं, उससे करीब चार किलो एमडी ड्रग बनाई जा सकती थी। इसकी कीमत करीब चार करोड़ रुपए होती है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से सघन पूछताछ करेगी और इसकी सप्लाई चेन, केमिकल देने वाले सहित तमाम बिंदुओं पर विस्तार से जांच करेगी। इनके अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जाएगी कि, इनका नेटवर्क कहां से कहां तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि, नशे के खिलाफ हमारा ये अभियान निरंतर जारी रहेगा।

बिजली दरों में बढ़ोतरी वापस ले भाजपा सरकार : विनोद सेन

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने राज्य की भाजपा सरकार और बिजली कंपनियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 1 अप्रैल से प्रदेश के करीब 1 करोड़ 29 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं पर महंगाई का एक और निर्मम प्रहार किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले से ही रसोई गैस, खाद्य सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से जूझ रही जनता की कमर तोड़ने के लिए अब बिजली दरों में 4.80 प्रतिशत की बेतहाशा वृद्धि थोप दी गई है।

विनोद सेन ने आरोप लगाया कि यह बढ़ोतरी सरकार और बिजली कंपनियों की मिलीभगत का नतीजा है। कुप्रबंधन और दूरदर्शिता के अभाव ने बिजली व्यवस्था को पूरी तरह चरमरा दिया है, जिसका खामियाजा आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। हर साल बिजली दरों में बढ़ोतरी यह साबित करती है कि राज्य की भाजपा सरकार जनता को राहत देने के बजाय लगातार आर्थिक बोझ बढ़ाने में लगी है। उन्होंने राज्य विद्युत नियामक आयोग को भी कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि यह संस्था अब केवल नाम मात्र की रह गई है और बिजली कंपनियों के इशारों पर काम कर रही है। आयोग के फैसलों में न तो संवेदनशीलता दिखती है और न ही आम आदमी की चिंता, बल्कि बार-बार ऐसे निर्णय लिए जा रहे हैं जो सीधे तौर पर जनता के हितों के खिलाफ हैं और कंपनियों को लाभ पहुंचाने वाले हैं। विनोद सेन ने सवाल उठाया कि जब प्रदेश में सौर ऊर्जा सस्ती दरों पर उपलब्ध है और गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षमता 5781 मेगावाट तक पहुंच चुकी है, तो फिर बिजली महंगी करने का औचित्य क्या है। उन्होंने कहा कि सरकार जानबूझकर सस्ती ऊर्जा विकल्पों को नजरअंदाज कर रही है ताकि बिजली कंपनियों को फायदा पहुंचाया जा सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान: गोपी तलाई पहुंचे विधायक उमाकांत शर्मा, लोगों की सुनीं समस्याएं

लटेरी। दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर स्तरीय कार्यक्रम वार्ड क्रमांक-14 संगड़ एवं सिंध नदी के उद्गम स्थल स्थित गोपी तलाई के पास संपन्न हुआ। कार्यक्रम से पूर्व विधायक उमाकांत शर्मा द्वारा गोपी तलाई का औचक निरीक्षण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे और अनेक लोगों ने विधायक श्री शर्मा को अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन सौंपे। विधायक ने इन आवेदनों के शीघ्र निराकरण हेतु उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया।

जन चौपाल के दौरान प्राप्त आवेदनों का वाचन रामगुलाम जी द्वारा किया गया, वहीं कार्यक्रम का आभार वार्ड क्रमांक-14 के पार्षद पति नितिन धाकड़ ने व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक श्री शर्मा ने गोपी तलाई के विकास हेतु 8 लाख रुपये घाट निर्माण तथा 2 लाख रुपये तालाब के गहरीकरण के लिए प्रदान करने की घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश में श्री मोहन यादव जी के नेतृत्व में विकास कार्य तेज गति से हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि गोपी तलाई के विकास के लिए पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा द्वारा भी विशेष प्रयास किए गए थे और वर्तमान में भी इसके संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि 5 दिनों के भीतर गोपी तलाई की निष्पक्ष नपती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इसे क्षेत्र की पहचान बताते हुए इसके संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के लिए जनसहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सिरोंज को जिला बनाने एवं रेलवे लाइन से जोड़ने के लिए सभी जा रहे प्रयास किये जा रहे है साथ ही ÷संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत विकासखंड अधिकारियों से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री शर्मा पास स्थित मंदिर में चल रहे अखंड कीर्तन में भी सम्मिलित हुए। उन्होंने वहां बैठकर कीर्तन का आनंद लिया तथा स्वयं भी भक्ति में लीन होकर कीर्तन गाते और झूमते नजर आए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता रंधीर सिंह बघेल, भारत सिंह राजपूत, गोपाल धाकड़, राजकुमार बघेल, नपा अध्यक्ष शैलेश भंडारी, रचना धाकड़, अत्तू भंडारी, राजकंवर बघेल, महेंद्र सिंह राजपूत, गिरजा प्रसाद शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी नितिन जैन, तहसीलदार, जगन प्रसाद, सीएमओ सपना रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जल्द घोषित होगी कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी, अध्यक्ष जोशी ने 100 नामों के लिए मांगी विशेष अनुमति

धार। दोपहर मेट्रो

जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संगठन समीक्षा बैठक में आगामी रणनीतियों और संगठन विस्तार को लेकर मंथन हुआ। बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि कांग्रेस का एकमात्र लक्ष्य आगामी समय में मजबूती के साथ वापसी कर सरकार बनाना है।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने बताया कि प्रदेश संगठन ने पहले 200 से अधिक नामों की सूची मांगी थी, किंतु बाद में पार्टी गाइडलाइन के अनुरूप अब सिर्फ 50 लोगों के नामों की घोषणा की जिला कार्यकारिणी में होगी। प्रदेश संगठन की गाइडलाइन के अनुसार कार्यकारिणी को 50 सदस्यों तक सीमित रखने के निर्देश हैं, लेकिन धार जिले की विशेष परिस्थितियों आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र और 7 में से 5 विधानसभाओं में कांग्रेस विधायकों की मौजूदगी को देखते हुए संगठन से 100 कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने की अनुमति मांगी गई है। जोशी ने आश्वस्त किया कि जो कार्यकर्ता मुख्य कार्यकारिणी में जगह नहीं पा सकेंगे, उन्हें विभिन्न प्रकोष्ठों और विभागों में समायोजित कर सम्मान दिया जाएगा।

समीक्षा बैठक की शुरुआत अहिंसा के प्रतीक भगवान महावीर स्वामी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। बैठक में सभी ब्लॉक, शहर और प्रकोष्ठ अध्यक्षों ने अपने पिछले कार्यों का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। जिला अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी और संगठन महामंत्री परितोष सिंह राठौड़ ने पदाधिकारियों को संगठनात्मक बारीकियों और बूथ स्तर पर मजबूती के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया।

हमारा लक्ष्य स्पष्ट है, कांग्रेस की सरकार बनाना। इसके लिए हर कार्यकर्ता को एकजुट होकर काम करना होगा। धार जिला कांग्रेस का गढ़ है और इसे और मजबूत करने के लिए हम हर सक्षम कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देंगे। बैठक में मुख्य रूप से कमल सिंह पटेल, राधेश्याम मुवेल, सोहेल निसार, धीरज दीक्षित, हरदेव जाट, अजय सिंह ठाकुर, राजेश पटेल, टोनी छबड़ा, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष रोहित कामदार, अभिनव बिंजवा, लियाक़त पटेल सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

सद्गुरु विज़न सेंटर में विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित

नेत्रों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म: पिंगले

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

स्थानीय मील रोड स्थित सद्गुरू विज़न सेंटर पर स्व. श्री नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के सहयोग से साप्ताहिक निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्वर्गीय श्री दामोदर राव, श्रीमती स्व. यमुना कुलकर्णी एवं उनके पुत्र स्व. उदय कुलकर्णी की पुण्य स्मृति में सेवा दिवस के रूप में आयोजित किया गया।

शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. राजकरण वर्मा द्वारा 124 से अधिक मरीजों की नेत्र जांच की गई तथा नेत्र रोगों से बचाव संबंधी आवश्यक परामर्श दिए गए। जांच के दौरान 26 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए, जिन्हें ऑपरेशन हेतु आनंदपुर रेफर किया गया। कैंप प्रभारी के निर्देशन में काउंसलिंग टीम द्वारा 27 जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए तथा ट्रस्ट की ओर से 39 मरीजों को दवाइयां दी गईं। इसके अलावा 32 मरीजों के चश्मों के नंबर भी निकाले गए। शिविर में मरीजों की बीपी एवं शुगर की जांच भी की गई। शिविर सहयोगी सुनील बाबू पिंगले ने बताया कि ट्रस्ट के रवि उपाध्याय के मार्गदर्शन तथा सद्गुरु स्व. श्री रणछोड़दास महाराज की प्रेरणा से शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार ऐसे सेवा कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन के प्रदेश प्रभारी डॉ. ए.के. जैन, गणेशराम रघुवंशी, डॉ. राजकरण वर्मा, जगदीश अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी रामकुमार शर्मा, सुरेंद्र भारद्वाज, हेमंत भंडारी, साहूजी, संतोष अहिरवार, पत्रकार नितेश नायक, संजीव शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सरदार सिंह सिसोदिया का विशेष सहयोग रहा। अंत में सुनील बाबू पिंगले ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में भी निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पटवारी संघ का प्रदर्शन, लंबित भुगतान को लेकर जताया आक्रोश

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

स्वामित्व योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों के भुगतान में हो रही देरी को लेकर तेंदूखेड़ा के पटवारी संघ में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लंबे समय से मानसिक प्रताड़ना और उपेक्षा का सामना कर रहे पटवारियों ने अब खुलकर विरोध जताया है। संघ ने कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याएं रखीं और शीघ्र भुगतान की मांग की।

पटवारी संघ के अनुसार पंचायत राज्य संचालनालय, भोपाल के 17 जुलाई 2021 के आदेश के तहत गांवों में ड्रोन सर्वे, सीमांकन तथा अभिलेख सुधार का कार्य हल्का पटवारियों को सौंपा गया था। इस कार्य के लिए सामग्री व्यय एवं अभिलेखीय कार्य हेतु निर्धारित राशि का भुगतान ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाना था। पटवारियों ने पूरी जिम्मेदारी के साथ यह कार्य समय सीमा में पूरा किया, यहां तक कि तेंदूखेड़ा तहसील ने जिले में प्रथम स्थान भी प्राप्त किया। इसके बावजूद आज तक संबंधित पटवारियों को उनके कार्य का भुगतान नहीं किया गया है। संघ का आरोप है कि कार्य में देरी होने पर विभाग द्वारा नोटिस जारी किए जाते हैं, लेकिन कार्य पूर्ण होने के बाद भुगतान के मामले में अधिकारियों द्वारा उदासीनता बरती जा रही है। संघ ने यह भी बताया कि जिले की अन्य तहसीलों–हटा, पथरिया, बटियागढ़ और जबेरा–में इसी कार्य का भुगतान किया जा चुका है, जिससे तेंदूखेड़ा के पटवारियों में असंतोष और बढ़ गया है। पटवारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही भुगतान नहीं किया गया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे। उनका कहना है कि यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि उनके सम्मान और अधिकारों से भी जुड़ा हुआ विषय है। प्रशासन से इस मामले में शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

धार में जल संसाधन विभाग का पटवरी 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर लोकायुक्त पुलिस ने धार में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जल संसाधन विभाग में पदस्थ अमीन (पटवारी) राज दिनकर को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने एक किसान से तालाब की रिक्त भूमि पर खेती का पट्टा स्वीकृत कराने के एवज में दस हजार रकम की मांग की थी। शिकायतकर्ता दयाराम पटेल निवासी ग्राम आमला धार अपनी खेती किसानी करते हैं। उन्होंने ग्राम आमला के तालाब की रिक्त भूमि पर खेती के पट्टे के लिए जल संसाधन विभाग के अमीन राज दिनकर से पट्टा स्वीकृत करवाने के लिए आवेदन किया था। पट्टे की सरकारी फीस मात्र 5 से 7 हजार रुपये होती है, लेकिन आरोपी राज दिनकर ने पट्टा स्वीकृत करवाने के बदले 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। किसान दयाराम ने इंदौर लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय को लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की पुष्टि होने के बाद लोकायुक्त की टीम ने जाल बिछाया। 31 मार्च को सरकारी कार्यालय का अवकाश होने के कारण आरोपी अमीन ने रिश्वत की पहली किस्त लेने के लिए किसान को धार के प्रकाश नगर स्थित अपने किराए के मकान पर बुलाया।? जैसे ही आरोपी राज दिनकर ने अपने दाहिने हाथ से 10 हजार रुपये की राशि ली वहां तैनात लोकायुक्त की टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। हाथ धुलवाते ही आरोपी की उंगलियों से गुलाबी रंग निकलने लगा। योगेश देशमुख के निर्देश पर हुई कार्रवाई मे उप पुलिस अधीक्षक सुनील तालान के नेतृत्व में अंजाम दिया गया।

न्यूज विंडो

गांजे के पैकेटों को डिब्बों छिपाकर ले जा रहे थे तस्कर, पुलिस ने दबोचा

सिवनी। जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और स्थानीय पुलिस ने संयुक्तरूप से कार्रवाई की है। नेशनल हाईवे-44 पर लखनादौन टोल प्लाजा के पास एक संदिग्ध वाहन से 114 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए गांजे के पैकेटों को पेंट और डिस्टेंपर के डिब्बों के भीतर छिपाकर रखा था।जब्त मादक पदार्थ की बाजार कीमत लाखों रुपए है।आरोपियों ने प्रारंभिक पूछताछ में स्वीकार किया है कि वे गांजे की यह खेप छत्तीसगढ़ से रायसेन जिले में सप्लाई करने के लिए ले जा रहे थे।

30 वर्षीय युवक का ससुराल जाते समय हुआ एक्सीडेंट, जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। ग्राम पांजी के पास दमोह तेंदूखेड़ा मार्ग पर शाम 5 बजे हर्राई रिछ्याई तेजगढ़ निवासी दिनेश पिता बलई गौड़ 30 का एक्सीडेंट हो गया जबलपुर से वापिस दमोह पेंशेंट छोड़कर जा रही 108 के चालक भूपेंद्र सिंह ठाकुर, ईएमटी अरविंद अहिरवार ने जब सडक पर भीड़ लगी देखी तो वाहन को रोककर घायल दिनेश को तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आएं। जहां पर हाथ पैर में गंभीर चोटों के चलते प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडीकल कांलेज रेफर किया गया हैं। दिनेश के मौसा ने बताया कि वह अपनी ससुराल कुदपुरा जा रहा था तभी रास्ते में एक्सीडेंट हो गया। एक्सीडेंट किस कारण से हुआ हैं यह तो दिनेश के होश में आने के बाद ही पता चलेगा फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

महंगाई के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने बढ़ती महंगाई और ईंधन संकट के विरोध में प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल के नाम डिप्टी कलेक्टर देवंती परते को ज्ञापन दिया। प्रदर्शनकारियों ने गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों, बिजली दरों में भारी वृद्धि और पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर जमकर नारेबाजी की है।

अक्षय,डिंपल और टाइगर ने किए बाबा महाकाल के दर्शन, आशीर्वाद लिया

उज्जैन। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार तड़के सुबह बॉलीवुड सितारों की आस्था देखने को मिली। प्रसिद्ध अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया बाबा महाकाल के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। तीनों कलाकार सुबह करीब 6 बजे मंदिर पहुंचे। यहां नंदी हाल में बैठकर भगवान महाकाल के दर्शन किए और जाप करते नजर आए। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने नंदी जी का पूजन कर उनके कान में अपनी मनोकामना भी कही। इसके बाद तीनों ने गर्भगृह की देहरी से दर्शन कर भगवान को जल अर्पित किया।

दो महिला पुलिस अधिकारी ने मजदूर बनकर भ्रष्टाचारी को अवैध वसूली करते पकड़ा

कटनी। जिले में भ्रष्टाचारी पुलिसकर्मी को पकड़ने प्रदेश की दो महिला पुलिस अधिकारियों ने अनोखा ट्रैप ऑपरेशन किया। जानकारी के अनुसार कटनी के बहोरीबंद थाना क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक अनोखा ट्रैप ऑपरेशन सामने आया। प्रशिक्षु डीएसपी शिवा पाठक और एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी ने मजदूर बनकर ट्रैक्टर पर सफर किया और अवैध वसूली करने वाले आरक्षक को रंगे हाथ पकड़ लिया। दरअसल, एसपी को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि बहोरीबंद थाना क्षेत्र में वाहन चालकों, खासकर किसानों और ट्रैक्टर चालकों से अवैध वसूली की जा रही है। इसी के बाद रणनीति के तहत दोनों महिला अफसरों ने सुबह करीब 5 बजे सादा वेश धारण किया और ट्रैक्टर पर मजदूरों के साथ बैठ गईं। इस दौरान इन महिला अफसर ने भ्रष्टाचारी को रंगे हाथों पकड़ा है।

बजट में नये कर का प्रावधान नहीं, नगर विकास एवं सौन्दर्यीकरण के लिए प्रावधान

नगर निगम का 1.60 करोड़ रुपए के घाटे का बजट सर्वसम्मति से पारित, कर से होगी वसूली

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम का वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट महापौर संगीता सुशील तिवारी ने प्रस्तुत किया। बजट में आम नागरिकों को कोई भी करारोपण न कर विकास की योजनाएं प्रस्तुत की। बजट में आय 6 अरब 4 करोड, 33 लाख 75 हजार रूपये एवं व्यय 6 अरब 5 करोड़ 93 लाख 90 हजार रूपये, घाटा 1 करोड़ 60 लाख 15 हजार रूपये के बजट को प्रस्तुत कर महापौर ने कहा कि घाटे की भरपायी संपत्तिकर, जलकर, दुकानों के किराये तथा व्यवसायिक काम्पलेक्स आदि से वसूली कर कर ली जाएगी। जलकर की एक वर्ष की अग्रिम राशि अप्रैल माह में जमा करने पर एक माह के जलकर की छूट प्रदान की जायेगी। बजट प्रस्तुत करने के दौरान निगमाध्यक्ष वृन्दावन अहिरवार की अध्यक्षता में, सभापति वित्त एवं लेखा मेघा दुबे, निगमायुक्त राजकुमार खत्री थे। निगमाध्यक्ष वृन्दावन अहिरवार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में किये गये प्रावधानों पर सभी पार्षदों से सुझाव लिये तथा विस्तृत चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से बजट पारित करने की स्वीकृति प्रदान की।

बजट प्रस्तुत करते हुये महापौर संगीता तिवारी ने कहा कि नगर के समग्र विकास, सुव्यवस्थित नगरीय प्रबंधन एवं नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026.27 का यह बजट प्रस्तुत किया जा रहा है। यह बजट शहर के सतत् विकास, स्वच्छता, हरित वातावरण, उन्नत अधोसंरचना तथा जनसहभागिता को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। नगर निगम का यह संकल्प है कि सागर को एक स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित एवं आधुनिक शहर के रूप में विकसित किया जाए। इसके अंतर्गत सड़कों के उन्नयन, जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार, सीवरेज नेटवर्क के विस्तार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था तथा डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके साथ ही शहर के प्रमुख चैराहों, पार्कों एवं सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण, हरित पट्टियों के विकास, झीलों के संरक्षण एवं पर्यटन स्थलों के उन्नयन को प्राथमिकता दी गई है। नागरिकों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए नियमित सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण एवं प्रसंस्करण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। बजट में शासन द्वारा संचालित एवं नगर निगम के माध्यम से क्रियान्वित की जाने वाली योजनाओं के द्वारा युवाओं, महिलाओं एवं समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए तथा रोजगारोन्मुखी योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से समावेशी विकास सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। महापौर ने कहा कि बजट आपके विश्वासए सहयोग एवं सहभागिता का प्रतिबिंब है। यह बजट केवल आय.व्यय का विवरण नहीं बल्कि हमारे शहर के उज्ज्वल भविष्य की रूपरेखा है।

बजट में ये किए प्रावधान

नागरिकों को सुगमता से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु परकुल बांध परियोजना से पानी लाने हेतु बजट में 20 लाख रुपए, अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत शेष रह गये शहर के विभिन्न स्थानों पर पाईप लाईन बिछाने के लिये रू. 34 करोड, 92 लाख एवं सीवर लाईन बिछाने हेतु रू. 5 करोड़ तथा राजघाट वाटर वॉडी रिज्यूविनेशन के लिये रू. 5 करोड़, मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना चतुर्थ चरण अंतर्गत शहर के विभिन्न 18 स्थानों पर सड़क निर्माण कार्य के लिए 9 करोड़ 41 लाख, शहर की खेल प्रतिभाओं के प्रोत्साहन हेतु मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत पार्क एवं खेल मैदान के निर्माण हेतु रू. 6 करोड़ , नगर के गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवार को विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यो हेतु मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर 7 मंगल भवन निर्माण के लिये रू. 9 करोड़, म.प्र.शासन की मंशा अनुरूप शहर में गीता भवन (आडीटोरियम) निर्माण कराने हेतु प्रावधान, मुख्यमंत्री मत्स्य समृध्दि योजनान्तर्गत विभिन्न 9 स्थानों पर रू. 45 लाख की लागत से फिश पार्लर का निर्माण, अग्निशमन सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिये 15 वे वित्त आयोग अंतर्गत राशि से फायर स्टेशन निर्माण हेतु रू. 2 करोड़, राजघाट जलावर्धन परियोजना, नगर की स्ट्रीट

गुरुपिपरिया में हनुमान कथा का आयोजन, भक्ति में डूबे ग्रामीण

पाटन। दोपहर मेट्रो

तहसील के ग्राम गुरुपिपरिया में हनुमान जयंती के अवसर पर तीन दिवसीय हनुमान कथा का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर श्रद्धा और भक्ति का परिचय दिया। कथा के दौरान भगवान हनुमान जी की पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव से कथा का श्रवण किया और वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में गांव के गणमान्य नागरिकों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही। आयोजन स्थल पर विधिवत पूजा-पाठ के साथ हवन भी किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना रहा। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

जेल में बेटे से नहीं मिलने देने पर नाराज महिला ने कलेक्ट्रेट में खुद पर पेट्रोल डाला

सागर। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर जन-सुनवाई में एक महिला ने अपने ऊपर पेट्रोल उड़ेल लिया, वहां पुलिस कर्मियों ने महिला पकड़कर पेट्रोल की बोतल छीन ली. महिला केंद्रीय जेल में बंद अपने बेटे से नहीं मिलने देने से नाराज थी। बेटा हत्या के आरोप में जेल में बंद है। उसके पास जेल के अंदर बीड़ी मिलने के कारण अपराध दर्ज हुआ है। इस कारण जेल मेन्युअल के अनुसार उसकी मुलाकात बंद कर दी है। महिला बेटे से मुलाकात पर अड़ी हुई थी। सिटी मजिस्ट्रेट गगन सिंह बिसेन ने महिला के आवेदन पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जेल के अफसरों को पत्र भेज दिया है। उसकी समस्या का निराकरण कर दिया गया।

कलेक्ट्रेट आई महिला तस्लीम अली ने बताया कि वह दिल्ली की रहने वाली है। बेटा केंद्रीय जेल सागर में बंद है। जेल प्रबंधन बेटे से मुलाकात नहीं करा रहा है। बेटे से मिलने की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय आई थी। बेटा रिहान नासिर 27 साल को करीब 5 साल पहले हत्या के मामले में आरोपी बनाया गया है। जेल के अंदर उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। जेल गई तो वहां बताया कि बेटे के पास बीड़ी मिली है। अभी उससे मुलाकात नहीं हो सकती है।

बाहर खड़े रहकर उड़ेला पेट्रोल

महिला अपना आवेदन लेकर कलेक्ट्रेट में बाहर खड़ी थी, लोगों को अपनी समस्या बता रही थी, इसी दौरान अपने साथ बोतल में लाई पेट्रोल को खुद पर उड़ेलने लगी। शोर हुआ तो पुलिस कर्मियों ने महिला को रोका, पेट्रोल की बोतल छीनी। उसे सिटी मजिस्ट्रेट गगन सिंह बिसेन के सामने पेश किया गया। जहां उसकी समस्या का निराकरण किया गया।

मेट्रो एंकर बिजली बिल भरा तो जोड़े कनेक्शन,नगर परिषद ने थमाया बकाया सम्पत्ति कर का बिल

बकाया बिजली बिल जमा न करने पर बिजली कंपनी ने नगर परिषद के कनेक्शन काटे तो परिषद ने कंपनी के गेट पर कचरा डलवा दिया

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले की शाहगढ़ तहसील में मंगलवार को बकाया बिजली बिल जमा न करने पर बिजली कंपनी ने नगर परिषद के कनेक्शन काटे तो सीएमओ ने बिजली कंपनी के कार्यालय के बाहर तीन ट्रॉली कचरा डलवा दिया। दोनो विभाग के अधिकारियों का यह विवाद प्रशासनिक अधिकारियों के दखल के बाद शांत हुआ। इसके बाद नगर परिषद ने बकाया बिजली बिल का भुगतान किया तो बिजली लाइन वापस जोड़ दी गई. इसके बाद नगर परिषद ने बिजली कंपनी को संपत्ति कर के बकाया 5.17 लाख रुपए का नोटिस दिया है।

इस मामले में सीएमओ विनय मिश्रा ने कहा कि अगस्त से अक्टूबर तक 15 लाख 60800 रुपए का भुगतान बिजली कंपनी को किया था, जिसका समायोजन जनवरी तक किया जाना था। फरवरी का बिल विसंगतिपूर्ण था। कंपनी ने पत्राचार का उत्तर नहीं दिया और सप्लाई काट दी। वहीं बिजली कम्पनी के जेई रवि सोलंकी ने बताया कि नगर परिषद ने अक्टूबर 2025 के बाद से बिल जमा नहीं किया। मोटर पंप चोरी की बिजली से चल रहे हैं। कुछ स्मार्ट मीटर को भी बायपास कर लिया था। बकाया बिल 9.61 लाख के करीब हो गया था। जब राशि जमा नहीं की तो सोमवार शाम को स्ट्रीट लाइट व कुछ वॉटर बॉक्स के कनेक्शन काट दिए थे। सीएमओ ने सुबह 8 बजे 2 ट्रॉली कचरा गेट के सामने डलवाया और 10 बजे के करीब दूसरे गेट पर भी एक ट्रॉली कचरा डलवा दिया। घटनाक्रम की सूचना मिलने पर तहसीलदार ने मामले की जानकारी एसडीएम को देकर जांच कर कार्यवाई शुरू की है।

कभी नहीं भूलेंगे बड़े भाई का त्याग

150 की रफ्तार से गेंद फेंकने वाले अशोक शर्मा का आईपीएल डेब्यू

न्यू चंडीगढ़ । तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के चौथे मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में हुए मैच में अशोक ने अपना आईपीएल डेब्यू किया। रफ्तार सिंह के नाम से मशहूर अशोक 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से विपक्षी टीम को काफी परेशान किया था।

17 जून 2002 को जन्मे अशोक जयपुर के पास स्थित रामपुरा गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता नाथूलाल किसान हैं, जबकि मां गृहणी हैं। मां का सपना था कि बेटा सरकारी नौकरी करे। अशोक के बड़े भाई अक्षय भी क्रिकेट खेला करते थे। ऐसे में पिता नहीं चाहते थे कि दोनों बेटे क्रिकेट खेलें। वह चाहते थे कि अशोक पढ़ाई पर ध्यान दें, लेकिन बड़े भाई ने अशोक की काबिलियत पहचान ली थी। उन्होंने अशोक के लिए क्रिकेट को त्याग दिया, ताकि छोटे भाई को अपना सपना पूरा करने का मौका मिल सके। क्रिकेट के प्रति अशोक के जुनून को देखते हुए पिता ने जयपुर स्थित अरावली क्रिकेट एकेडमी में बेटे का एडमिशन करवा दिया, जो दिल्ली डेयरडेविल्स और राजस्थान के पूर्व लेग स्पिनर विवेक यादव की एकेडमी है।

अशोक को एकेडमी पहुंचने के लिए रोजाना काफी लंबा सफर करना पड़ता था, जिसके बाद वह एकेडमी के हॉस्टल में ही रहने लगे। कोरोना महामारी के बीच अशोक के कोच विवेक यादव का निधन हो गया, जिससे अशोक को बड़ा झटका लगा, लेकिन उन्होंने खुद को इस सदमे से निकाला और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईपील में जगह बनाई।

नेट बॉलर के तौर पर किया काम

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने राजस्थान रॉयल्स के लिए नेट बॉलर के तौर पर काम किया। इसके बाद अशोक शर्मा को आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिल सका। इसके बाद गुजरात टाइटंस ने इस खिलाड़ी पर 90 लाख रुपए का दांव खेला। अशोक फर्स्ट क्लास करियर में 4 मैच खेले हैं, जिसमें 29.71 की औसत के साथ 14 विकेट हासिल किए। वहीं, 7 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 13 विकेट हैं। अशोक ने अपने टी20 करियर में 10 मैच खेले हैं, जिसमें 15.63 की औसत के साथ 22 विकेट निकाले।

राजस्थानी जडेजा हुए इमोशनल, मैच खत्म होते ही चूमा सीएसके का लोगो

गुवाहाटी। आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले के बाद एक ऐसा पल सामने आया, जिसने क्रिकेट फैन्स को भावुक कर दिया। मैच में राजस्थान ने आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज की, लेकिन असली चर्चा मैच के बाद हुए एक खास इमोशनल मोमेंट की रही। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे रवींद्र जडेजा मैच खत्म होने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी खलील अहमद से मिले। इस दौरान जडेजा ने खलील की जर्सी पर बने ष्ट्स्च के लोगो को चूम लिया। यह भावुक और अचानक किया गया इशारा कैमरे में कैद हो गया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

रंग बदले, रिश्ता नहीं | जडेजा का यह कदम साफ दिखाता है कि चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका रिश्ता कितना गहरा है। उन्होंने ष्ट्स्च के साथ 12-13 साल बिताए और टीम की कई खिताबी जीतों में अहम भूमिका निभाई। 2018, 2021 और 2023 में खिताब जीतने वाली टीम का वह अहम हिस्सा रहे। सीएसके से अलग होने पर जडेजा ने खुद माना कि यह फैसला आसान नहीं था। उन्होंने कहा- सीएसके जैसी फ्रेंचाइजी को छोड़ना आसान नहीं था। शुरुआत में यह काफी इमोशनल था। हालांकि उन्होंने आगे कहा कि बदलाव क्रिकेट करियर का हिस्सा है और उन्होंने इसे सकारात्मक तरीके से अपनाया।

जहां से शुरुआत, वहीं वापसी

अब जडेजा फिर से राजस्थान रॉयल्स के साथ हैं, वही टीम जहां से उन्होंने 2008 में आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और पहला खिताब जीता था। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा-अब मुझे पिंक कलर अच्छा लग रहा है, येलो थोड़ा पुराना लगने लगा था। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस टीम के साथ नई शुरुआत को लेकर उत्साहित हैं, और अपने अनुभव से युवा खिलाड़ियों की मदद करना चाहते हैं। जडेजा ने मैदान पर भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो अहम विकेट लिए, जिसमें शिवम दुबे और सरफराज खान शामिल रहे। उनकी गेंदबाजी की बदौलत सीएसके की टीम 127 रन पर सिमट गई। इसके बाद जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर की कसी हुई गेंदबाजी ने राजस्थान को मैच में पूरी तरह हावी रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने शानदार बल्लेबाजी की और युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की बेहतरीन पारी की मदद से मुकाबला आसानी से जीत लिया।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स के सामने गुजरात टाइटंस ने किया सरेंडर

कोनोली ने प्रसिद्ध की मेहनत पर फेरा पानी, डेब्यू मैच को बनाया यादगार

मुल्लांपुर, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मंगलवार को पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ. यह मुकाबला न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादविन्द्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. शीर्ष क्रम के बल्लेबाज कूपर कोनोली के दम पर पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को तीन विकेट से हराकर जीत से शुरुआत की। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में डेब्यू मैच खेलने वाले कोनोली ने शानदार नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जिससे पंजाब किंग्स ने 19.1 ओवर में सात विकेट पर 165 रन बनाकर मैच जीता। पंजाब किंग्स की स्थिति एक समय नाजुक हो गई थी, लेकिन कोनोली ने एक छोर से मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिलाई।

पंजाब ने इस तरह आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत जीत से की है। पंजाब अगर ये मैच अपने नाम कर सकी तो इसका सबसे ज्यादा श्रेय कोनोली को जाता है जो अंत तक टिके रहे। कोनोली 44 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, प्रभसिमरन सिंह ने 37 रन की पारी खेली। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट झटके, जबकि रबादा, अशोक, राशिद और वाशिंगटन को एक-एक विकेट मिला।

कोनोली-प्रभसिमरन की साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने पंजाब को पहला झटका जल्दी दिया। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे प्रियांश आर्या सात रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कोनोली और प्रभसिमरन सिंह ने दूसरे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी कर पंजाब को संभाला। राशिद ने हालांकि, प्रभसिमरन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मैच में हल्की-हल्की बारिश भी हो रही थी जिस कारण पंजाब ने आक्रामक बल्लेबाजी की। श्रेयस ने भी दो छक्के लगाकर इरादे जाहिर कर दिए। लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा ने श्रेयस (18), शशांक सिंह (4) और मार्कस स्टोइनिस (0) को आउट कर पंजाब की पारी लड़खड़ा दी। हालांकि, कोनोली अंत तक टिके रहे और टीम को जीत दिलाकर पवेलियन लौटे। पंजाब के लिए जेवियर बार्टलेट पांच गेंदों पर एक छक्के की मदद से 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

अच्छी शुरुआत को आगे नहीं बढ़ा सका गुजरात

इससे पहले, पंजाब ने गुजरात को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। गुजरात ने शुरुआत अच्छी की, लेकिन टीम इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मध्य के ओवरों में गुजरात टाइटंस पर दबाव बनाने में मदद की, जबकि विजयकुमार विशाक ने शानदार गेंदबाजी की जिससे गुजरात की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। बल्लेबाजी के इस फीके प्रदर्शन में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल (27 गेंदों में 39 रन) और जोस बटलर (33 गेंदों में 38 रन) ने योगदान दिया।

अर्शदीप ने डाला सबसे लंबा ओवर | पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। अर्शदीप आईपीएल में सबसे लंबा ओवर डालने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए। आखिरी ओवर करने आए अर्शदीप सिंह ने 11 गेंदें की क्योंकि उन्होंने इस ओवर में चार वाइड और एक नो बॉल फेंकी। अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर, संदीप शर्मा और हार्दिक पांड्या भी आईपीएल में एक ओवर में 11 गेंद डाल चुके हैं।

गेंद से छेड़खानी करने की मिली सजा

पाकिस्तान क्रिकेट शर्मसार: पीसीबी ने फखर जमां को दो मैच के लिए किया निलंबित

कराची। पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी फखर जमां को गेंद से छेड़खानी करने के मामले में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 के दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। पीसीबी ने बताया कि मैच रेफरी ने फखर को लेवल तीन के अपराध का दोषी पाया जो पीएसएल में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आचार संहिता की धारा 2.14 के उल्लंघन को

लेकर है। मालूम हो कि 29 मार्च को गद्दाफी स्टेडियम में लाहौर कलंदर्स के खिलाफ कराची किंग्स को अंतिम छह गेंदों में 14 रन की दरकार थी। आखिरी ओवर की शुरुआत से ठीक पहले लाहौर के कप्तान शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ और फखर जमां एक साथ खड़े होकर गेंद को हाथ में लेकर चर्चा कर रहे थे। इस बीच फखर गेंद को खुरचते नजर आए। मैदानी अंपायर ने पाया कि गेंद की स्थिति के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ की गई है। इसके चलते लाहौर कलंदर्स पर पांच रनों की पेनाल्टी लगाई गई और पुरानी गेंद को बदलकर नई गेंद मैच में शामिल की गई। इसी के साथ मैच का समीकरण बदल गया और अब कराची किंग्स को जीत के लिए छह गेंदों में महज 9 रन की दरकार थी। अब्बास अफरीदी ने एक चौका और एक छक्का लगाकर टीम को चार विकेट से जीत दिलाई।

फखर ने दी थी फैसले को चुनौती

फखर जमां पर यह आरोप आचार संहिता की धारा 2.14 के उल्लंघन से जुड़ा है, जो गेंद की स्थिति बदलने से संबंधित है। फखर पर मैदानी अंपायर शाहिद सैकत और फैसल खान अफरीदी, टीवी अंपायर आसिफ याकूब और फोर्थ अंपायर तारिक राशिद ने आरोप लगाया था। हालांकि, फखर ने इस अपराध से इनकार करते हुए आरोप को चुनौती देने का फैसला किया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मिडल ईस्ट की जंग में फंसी शाहरुख खान की किंग

मुंबई के स्टूडियो में शूट होगा दुबई का रेगिस्तान

2026 की सबसे बड़ी इंडियन फिल्मों में से एक, सुपरस्टार शाहरुख खान की किंग पर लंबे समय से काम चल रहा है. कुछ महीनों पहले शाहरुख की इंजरी के चलते इस फिल्म का शूट रुक गया था. अब एक बार फिर से इसका शूट रुकने की खबर आ रही है. इस बार शूट रुकने की वजह बना है मिडिल ईस्ट में चल रहा युद्ध. अप्रैल में किंग का एक हिस्सा दुबई में शूट होना था. लेकिन दुबई और उस पूरे क्षेत्र में युद्ध की वजह से हालात बहुत अनिश्चित हैं. इस चक्कर में किंग का शूट कैंसिल करना पड़ा है. अब वो शूट मुंबई में लगाए गए सेट पर शूट किया जाएगा.

पठान के शूट में रोड़ा बना मिडिल ईस्ट का युद्ध- एक रिपोर्ट में

सामने आया है कि किंग का रेगिस्तान में बेस्ड एक एक्शन सीक्वेंस 9 अप्रैल से दुबई में शूट होना था. ये शेड्यूल एक हफ्ते में पूरा होने की उम्मीद थी. मेकर्स ने इस शूट के लिए सारी जरूरी परमिशन ले ली थी और तैयारियां पूरी थीं. लेकिन अब कास्ट और क्रू की सुरक्षा पर किसी तरह का रिस्क न लेते हुए ये शेड्यूल कैंसिल कर दिया गया है. एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि प्लान बदलने की वजह से अब मेकर्स मुंबई में ही रेगिस्तान का एक सेट रीक्रिएट कर रहे हैं. बिना किसी रुकावट शूट पूरा हो सके, इसलिए मुंबई के विले पार्ले में ये सेट लगाया गया है. डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने किंग का ये एक्शन सीक्वेंस बहुत ग्रैंड स्केल पर प्लान किया है. दुबई में इसका शूट कैंसिल भले हुआ हो, लेकिन मुंबई वाला सेट बहुत रियल बताया जा रहा है. सेट पर शूट होने की वजह से डायरेक्टर को लाइटिंग और बाकी चीजों पर भी बेहतर कंट्रोल मिलेगा.

पहले भी रुका था किंग का शूट

इससे पहले जुलाई-अगस्त 2025 में शाहरुख को चोट लगने के चलते किंग का शूट रुका था. सामने आया था कि एक एक्शन सीक्वेंस के शूट के दौरान स्ट्रेन पड़ने से शाहरुख को दिक्कत हुई थी. उन्हें जरूरी ट्रीटमेंट के लिए यूएस जाना पड़ा था, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें एक महीने पूरी तरह रेस्ट करने की सलाह दी थी. नवंबर से शाहरुख दोबारा शूट पर लौटे थे. दुबई या मिडिल ईस्ट के हालात पर काबू तो खैर किसी का नहीं है. लेकिन मुंबई का सेट क्या सीन में रियल रेगिस्तान वाला फील दे पाएगा, ये एक बड़ा सवाल है. एक और सवाल फैन्स की नजर में बना हुआ है— दो बार शूट हॉल्ट कर चुकी किंग क्या समय पर बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार हो पाएगी? किंग 24 दिसंबर 2026

मेट्रो बाजार

एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमि. पर पंप-एंड-डंप का आरोप, सेबी ने शुरू की जांच

मुंबई । सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयर में पंप-एंड-डंप के सबूत मिलाने के बाद एक्शन लेना शुरू कर दिया है। बाजार नियामक ने पाया कि शेयर की कीमत में थोड़े ही समय में 60 गुना से अधिक की वृद्धि हुई, जिसके बाद उसमें तेज गिरावट आई और यह पैटर्न हेरफेरपूर्ण ट्रेडिंग का संकेत था। इसके अलावा, प्रमोटरों और उनसे जुड़े पक्षों के समन्वित सौदों और फंड ट्रांसफर के कारण भी शेयरों की कीमतों में उछाल आया। सेबी ने कंपनी की आय में असामान्य उछाल पर भी चिंता जताई और कहा कि कंपनी का राजस्व दो वर्षों में लगभग 686 गुना बढ़ गया। सितंबर 2025 की तिमाही में राजस्व में भारी उछाल दर्ज किया गया, जो जून तिमाही के 525 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,195.8 करोड़ रुपए हो गया। जांचकर्ताओं को संदेह है कि कंपनी की वास्तविक व्यावसायिक गतिविधि न के बराबर थी और उसने शेयरों की कीमतों में उछाल के दौरान खुदरा निवेशकों को आकर्षित करने के लिए भ्रामक कॉर्पोरेट डिस्क्लोजर जारी किए होंगे। नियामक ने आगे आरोप लगाया कि कंपनी के अंदरूनी लोगों ने ऊंचे दामों पर शेयर बेचे। प्रमोटर विपिन शर्मा को कथित तौर पर एक प्रमुख विक्रेता के रूप में पहचाना गया है, जब ट्रेडिंग वॉल्यूम और कीमतें अपने उच्चतम स्तर पर थीं। सेबी ने कंपनी

भारत में गोल्ड लोन बना सबसे बड़ा रिटेल क्रेडिट सेगमेंट, 36 प्रतिशत हिस्सेदारी: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत के रिटेल क्रेडिट बाजार में गोल्ड लोन सबसे बड़ा सेगमेंट बनकर उभरा है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, कुल लोन वॉल्यूम (मात्रा) में इसकी हिस्सेदारी 36 प्रतिशत और वैल्यू (मूल्य) के हिसाब से करीब 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके पीछे मुख्य कारण सोने की बढ़ती कीमतें और लोगों का सुरक्षित लोन की ओर बढ़ता रुझान है। ट्रांसयूनियन सीआईबीएल की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो वर्षों में गोल्ड लोन की औसत राशि में काफी बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर 2025 तिमाही में औसत गोल्ड लोन करीब 1.9 लाख रुपए तक पहुंच गया, जो इस सेगमेंट में तेजी को दिखाता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कंज्यूमर मार्केट इंडिकेटर (सीएमआई), जो क्रेडिट मार्केट की स्थिति को दर्शाता है, दिसंबर 2025 तिमाही में बढ़कर 102 हो गया। यह एक साल पहले 97 और सितंबर तिमाही में 100 था। यानी लगातार तीसरी तिमाही में इसमें सुधार देखा गया है। सोने की ऊंची कीमतों ने लोगों को अपने पास मौजूद गोल्ड का उपयोग करके लोन लेने के लिए प्रेरित किया है, जिससे गोल्ड लोन की मांग और वितरण दोनों में तेज वृद्धि हुई है। पहले गोल्ड लोन का दबदबा दक्षिण भारत में ज्यादा था, लेकिन अब उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे उत्तर और पश्चिम राज्यों में भी इसकी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इस सेगमेंट में अब अलग-अलग तरह के ग्राहक भी जुड़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आधे से ज्यादा लोन प्राइम और उससे ऊपर की कैटेगरी के ग्राहकों द्वारा लिए जा रहे हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि गोल्ड लोन अब एक मुख्यधारा का क्रेडिट विकल्प बनता जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि त्योहारों के बाद और जीएसटी से जुड़े प्रभाव के बाद क्रेडिट सप्लाई में थोड़ी नरमी आई है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर अक्षरा सिंह का जलवा

फिल्म फेस्टिवल में पसंद की गई मुझे ऐसा पति दे भगवान

मुंबई । भोजपुरी सिनेमा आज के समय तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब यह अच्छी कहानियों और मजबूत स्क्रिप्ट के साथ दर्शकों से जुड़ रहा है और धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है। इसी कड़ी में अभिनेत्री अक्षरा सिंह की फिल्म %मुझे ऐसा पति दे भगवान% को अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल दिल्ली में जगह मिली है। यह फिल्म भोजपुरी भाषा की पहली फिल्म है, जो इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में चुनी गई। मूवी को फिल्म फेस्टिवल में अच्छी प्रतिक्रिया मिली। मंगलवार को अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने समारोह की कुछ झलकियां अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। अभिनेत्री द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि लोगों की तरफ से फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिनेत्री ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा, ÷जब आपकी कहानी और भाषा दुनिया के बड़े मंच तक पहुंचती है, तो यह सिर्फ एक उपलब्धि नहीं बल्कि, एक खास एहसास होता है। अक्षरा ने आगे लिखा, इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली में हमारी पहली भोजपुरी फिल्म का चयन हुआ है, ऐसा पति मुझे दे भगवान। मैं खुद को बहुत खुश और गौरवशाली महसूस कर रही हूं। उन्होंने अपनी पूरी टीम को बधाई दी। इसमें सह- अभिनेता अंशुमान सिंह राजपूत, प्रोड्यूसर अविनाश रोहरा, डायरेक्टर इशितयाक शेख बंटी समेत फिल्म की पूरी टीम शामिल हैं। अक्षरा ने लिखा, मेरे सभी साथियों को दिल से बधाई। और आप सभी दर्शकों का भी दिल से धन्यवाद, जिन्होंने हमें यहां तक पहुंचाया।

पहाड़ों में बारिश-बर्फबारी के आसार, मैदानी इलाकों में खिली रही धूप

यूपी में तेज बारिश ओले भी गिरे, एमपी-राजस्थान में भी अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/शिमला। देश के पांच राज्यों में अगले तीन दिन मौसम में बदलाव रहेगा। उत्तर प्रदेश में आज सुबह बारिश हुई, 40 जिलों में अलर्ट भी जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे में मथुरा, जालौन और कन्नौज में ओले गिरे। उधर एमपी में आधे प्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट है। बुधवार को इंदौर, उज्जैन-ग्वालियर समेत 29 जिलों में अलर्ट है। 4 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम रहेगा। उसके बाद 15 अप्रैल से प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ेगी। राजस्थान में 2 अप्रैल से फिर एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा। जिसके चलते बारिश होगी। पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में एवलांच (हिमस्खलन) आया और कई रास्ते बंद हो गए हैं। अगले 24 घंटों में ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और एवलांच का अलर्ट जारी किया गया है।

न्यूज विंडो

राजस्थान में सीएमओ में बदलाव, 65 आईएएस ट्रांसफर, 26 कलेक्टर बदले

जयपुर। राजस्थान सरकार ने मार्च के आखिरी दिन देर रात प्रदेश की नौकरशाही में बड़े बदलाव किए हैं। प्रदेश सरकार ने देर रात 65 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इन तबादलों में कई बड़े अधिकारियों के नाम शामिल है। कई महत्वपूर्ण पदों पर अधिकारियों को बदल गया है। जयपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर जितेंद्र कुमार सोनी को अब सचिव मुख्यमंत्री और शासन सचिव, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। हाल ही में जितेंद्र कुमार सोनी को साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। वहीं मुख्यमंत्री के विशिष्ठ सचिव संदेश नायक को अब जयपुर कलेक्टर के अहम पद पर लगाया गया है। सीएमओ में इसके अलावा भी कई अहम बदलाव किए गए हैं। सीकर कलेक्टर मुकुल शर्मा को सीएमओ में विशिष्ठ सचिव लगाया है। वहीं आईएएस टीना डाबी की छोटी बहन रिया डाबी को भी सीएमओ में सीएम का ओएसडी लगाया गया है।

ओरेकल ने भारत में 12 हजार कर्मचारियों को निकाला, और बड़ी छंटनी की आशंका

नई दिल्ली। अमेरिकी आईटी दिग्गज ओरेकल ने भारत में अपने कार्यबल पर बड़ी कटौती करते हुए लगभग 12,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी आने वाले एक महीने के भीतर छंटनी का दूसरा दौर शुरू कर सकती है। वैश्विक स्तर पर, ओरेकल ने अब तक लगभग 30,000 कर्मचारियों की छंटनी की है, जो कंपनी के कुल स्टाफ का एक बड़ा हिस्सा है।कंपनी द्वारा प्रभावित कर्मचारियों को भेजे गए आधिकारिक ईमेल में इस छंटनी का कारण 'संगठनात्मक बदलाव' और 'ऑपरेशन को सुव्यवस्थित करना' बताया गया है। ईमेल में स्पष्ट किया गया कि इन बदलावों के कारण कई मौजूदा पद अब कंपनी के लिए अनावश्यक हो गए हैं। भारत में ओरेकल के पास लगभग 30,000 कर्मचारियों का आधार था, जिसका अर्थ है कि इस फैसले से भारत स्थित एक-तिहाई वर्कफोर्स प्रभावित हुई है।ओरेकल ने प्रभावित कर्मचारियों के लिए सेवरेंस पैकेज की घोषणा की है, लेकिन यह कुछ शर्तों के अधीन है।

दो बच्चों की हत्या कर की खुदकुशी पति की दूसरी शादी से थी परेशान

हैदराबाद। हैदराबाद में 29 साल की महिला ने कथित तौर पर अपने दो बेटों की जान ले ली और फिर आत्महत्या कर लिया। यह घटना मंगलवार की बताई जा रही है। मामले को लेकर पुलिस को शक है कि इस भयानक कदम के पीछे लंबे समय से चला आ रहा पारिवारिक विवाद हो सकता है। मृतकों की पहचान एस बनोथ श्रावंती (29), कार्तिक (12) और कौशिक (10) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, श्रावंती ने करीब 13 साल पहले बोडा प्रवीण से शादी की थी। वहीं प्रवीण ने किसी दूसरी महिला से भी शादी कर ली थी। इसको लेकर प्रवीण और श्रावंती के अक्सर झगड़े होते रहते थे। पुलिस ने आगे बताया कि बार-बार होने वाले झगड़ों के कारण श्रावंती ने हाल ही में घर छोड़ दिया था। वह बच्चों के साथ वारंगल में अपने माता-पिता के घर चली गई थी। बताया जा रहा है कि परिवार के लोगों ने बीच-बचाव कर उसे प्रवीण के साथ हैदराबाद लौटने के लिए मना लिया था।बालानगर के डीसीपी नरेश रेड्डी ने बताया कि, 'मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे प्रवीण काम से घर लौटा, तो उसने देखा कि मुख्य दरवाजा अंदर से बंद है। बार-बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ दिया।' घर के अंदर श्रावंती और उसके दोनों बच्चे मृत पाए गए। दोपहर करीब 2:30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची।

सटीक रणनीति के साथ सुरक्षा बलों की बड़ी जीत, लेकिन यह यात्रा का अंत नहीं

नक्सल मुक्त भारत की घोषणा के बाद अब विकास और विश्वास की असली परीक्षा

बस्तर से लौटकर - राजेश सिरोठिया

देश के गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में यह स्पष्ट कर दिया है कि तय समय सीमा 31 मार्च 2026 तक भारत से हिंसक माओवाद का खात्मा कर दिया गया है। मध्य प्रदेश पहले ही खुद को नक्सल मुक्त घोषित कर चुका है और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी यही दावा दोहराया है। यह उपलब्धि निस्संदेह ऐतिहासिक है, लेकिन इससे भी बड़ा प्रश्न अब सामने खड़ा है - यह अंत है या असली परीक्षा की शुरुआत?

दरअसल, यह जीत केवल बंदूक की ताकत से हासिल नहीं हुई है , बल्कि बदली हुई रणनीति का परिणाम है। वर्षों तक नक्सल समस्या को 'मैनेज' करने की नीति अपनाई जाती रही, लेकिन पहली बार इसे पूरी तरह समाप्त करने का स्पष्ट लक्ष्य तय किया गया। यही वह निर्णायक मोड़ था जिसने सुरक्षा अभियानों को आक्रामक, केंद्रित और रिजल्ट ओरिएंट बनाया।

बस्तर की धरती पर इस बदलाव का सबसे प्रभावी उदाहरण देखने को मिला। जोन के आईजी सुंदरराज के नेतृत्व में सुरक्षा बलों और स्थानीय युवाओं के बीच एक ऐसा समन्वय बना, जिसने नक्सल नेटवर्क की जड़ों को हिला दिया। विशेष रूप से डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) में शामिल स्थानीय आदिवासी युवाओं ने इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ दिया। अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों की उनकी गहरी समझ, स्थानीय भाषा और सामाजिक विश्वास ने सुरक्षा बलों को वह बढ़त दिलाई, जो पहले संभव नहीं थी।

केंद्रीय बलों सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी की तैनाती, आधुनिक तकनीक और हेलीकॉप्टर जैसी सुविधाओं ने इस अभियान को और मजबूती दी। 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' जैसे अभियानों ने यह साबित कर दिया कि यदि रणनीति स्पष्ट हो और स्थानीय सहयोग मिले, तो सबसे जटिल आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों को भी परास्त किया जा सकता है। आंकड़े भी इस सफलता की गवाही देते हैं। जहां एक समय मुठभेड़ों और हिंसा की घटनाएं सामान्य थीं, वहीं अब उनमें भारी गिरावट आई है। नक्सलियों की संख्या, उनकी सक्रियता और प्रभाव क्षेत्र, तीनों तेजी से सिमटे हैं। बड़े कमांडरों का अंत और सैकड़ों का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि संगठन की रीढ़ टूट चुकी है।

सरकार के सामने अब असली कसौटी यही है कि वह इस 'सुरक्षा सफलता' को 'विकास क्रांति' में बदल पाती है या नहीं। केवल योजनाओं की घोषणा नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से ही विश्वास कायम होगा। निष्कर्ष साफ़ है कि भारत ने नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है, लेकिन यह यात्रा का अंत नहीं है। अब असली लड़ाई बंदूक की नहीं, बल्कि विश्वास, विकास और समन्वय की है। यदि इस अवसर को सही दिशा दी गई, तो बस्तर केवल नक्सल मुक्त क्षेत्र ही नहीं, बल्कि नए भारत के विकास मॉडल के रूप में उभर सकता है।

सबसे बड़ी चुनौती विकास की

इतिहास गवाह है कि केवल सैन्य सफलता स्थायी शांति की गारंटी नहीं होती। नक्सलवाद की जड़ें केवल हथियारों में नहीं, बल्कि विकास की कमी, सामाजिक उपेक्षा और प्रशासनिक दूरी में रही हैं। इन मूल कारणों को नहीं बदला गया, तो परिस्थितियां फिर से वैसी ही बन सकती हैं। आज बस्तर और अन्य पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी विकास तंत्र पर है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और डिजिटल कनेक्टिविटी अब नए 'सुरक्षा हथियार' हैं। आदिवासी युवाओं को यदि सम्मान जनक अवसर नहीं मिले, तो असंतोष फिर से जन्म ले सकता है।

हवाई किराया बढ़ने की हो रही थी चर्चा

जेट फ्यूल दो लाख के पार जाने की बात झूठी, 8.5% की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी

राजधानी दिल्ली में एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर फैले भ्रम पर अब विराम लग गया है। पहले खबरें आई थीं कि एटीएफ की कीमतें दोगुने से ज्यादा बढ़कर दो लाख रुपये प्रति किलोलीटर के पार पहुंच गई हैं। हालांकि, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने स्पष्ट किया है कि वास्तविक बढ़ोतरी इससे काफी कम है। ATF की कीमतों में लगभग 8.5% की वृद्धि हुई है और वर्तमान कीमत करीब 1.04 लाख रुपये प्रति किलोलीटर है। यह भ्रम ऐसे समय में पैदा हुआ जब पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका-इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

कंपनी के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने और सप्लाई चेन पर असर के चलते ATF की कीमतों में 100% से ज्यादा बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही थी। लेकिन सरकार ने घरेलू विमानन क्षेत्र को राहत देने के लिए पूरा बोझ एक साथ नहीं डाला।

पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ मिलकर कीमतों में केवल आंशिक और चरणबद्ध वृद्धि लागू की है। घरेलू उड़ानों के लिए ATF कीमतों में करीब 25% (लगभग 15 रुपये प्रति लीटर) की ही बढ़ोतरी की गई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वैश्विक बाजार के अनुसार पूरी कीमत वसूली जा रही है।

गौरतलब है कि ATF की कीमतें 2001 से डीरगुलेटेड हैं और हर महीने अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के आधार पर तय होती हैं। हालांकि, मौजूदा असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ने हस्तक्षेप कर एयरलाइंस और यात्रियों पर अचानक बोझ बढ़ने से बचाने की कोशिश की है।

जनगणना 2027 का पहला चरण आज से, पहली बार डिजिटल होगी प्रक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना का पहला चरण आज से शुरू हो रहा है। यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा जनगणना अभियान होगा, जो पहली बार पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों से संचालित किया जाएगा। इस बार नागरिकों के लिए 'सेल्फ-एन्यूमरेशन' यानी स्व-गणना भरने का विकल्प भी उपलब्ध होगा। नागरिक डिजिटल माध्यम से खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

दो चरणों में होगी जनगणना

पहले चरण में भवन सूचीकरण और आवास जनगणनाः यह चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक छह महीने की अवधि में संपन्न होगा। इसमें घरों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और घरेलू संपत्तियों से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी। भवन सूचीकरण कार्य के 30 दिनों की अवधि से ठीक पहले 15 दिनों के लिए स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध होगा।दूसरे चरण में जनसंख्या गणनाः यह चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रत्येक व्यक्ति से जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, शिक्षा, प्रवासन, प्रजनन क्षमता आदि से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी।

कार्ड दिखाओ, सिलिंडर पाओः यूपी के बरेली में शादी समारोह के लिए नई व्यवस्था लागू

बरेली, एजेंसी

एलपीजी संकट के बीच वैवाहिक आयोजनों की चिंता से निजात पाने के लिए बरेली जिला प्रशासन ने विशेष व्यवस्था लागू की है। आयोजकों को सिलिंडर के लिए जिलाधिकारी या पूर्ति कार्यालय में विवाह के कार्ड के साथ प्रार्थनापत्र देना होगा। कितने सिलिंडर दिए जाएंगे ये अफसर तय करेंगे।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से कच्चे तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित होने से एलपीजी की उपलब्धता प्रभावित हुई है। 15 अप्रैल से सहालग शुरू हो रहे हैं। इधर आयोजकों को आतिथ्य के साथ ही केटरर्स और मैरिज हॉल संचालक को कारोबार की चिंता सता रही है।बताते हैं कि पूर्व में हुई बुकिंग निरस्त कराने के लिए आयोजक संपर्क करने लगे हैं, लेकिन

कारोबारी सांत्वना दे रहे हैं। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सिलिंडर वितरण को लेकर नई व्यवस्था लागू कर दी है, ताकि वैवाहिक आयोजनों को लेकर लोग निश्चिंत रहें। हालांकि, यह सिलिंडर सशर्त ही उपलब्ध होंगे।

विभागीय जानकारी के अनुसार प्रार्थनापत्र में मेहमानों की संख्या और अनुमानित सिलिंडरों की जरूरत का स्पष्ट विवरण और आयोजन की तिथि भी स्पष्ट बतानी होगी। कार्ड संलग्न करना होगा। विचार के बाद पूर्ति विभाग कितने कॉमर्शियल सिलिंडर जारी होंगे, इस संख्या के साथ संबंधित गैस एजेंसी के नाम पत्र जारी करेगा। फिर एजेंसी, पेट्रोलियम कंपनी को मांगपत्र देगी। कंपनी से निर्धारित संख्या में सिलिंडर मिलेंगे। अस्थायी कनेक्शन देकर आयोजक से सिलिंडर की कीमत और सिक्योरिटी मनी के 4500 रुपये लेकर सिलिंडर दे दिए जाएंगे। सिलिंडर के दाम घटने और बढ़ने पर इसमें बदलाव भी हो सकता है।

मेट्रो एंकर

यूएन की रिपोर्ट में अहम खुलासा, युद्ध लंबा खिंचने पर और बढ़ता जाएगा घाटा

युद्ध की भारी कीमतः जीडीपी में 2025 की बढ़ोतरी से ज्यादा का नुकसान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव, अब पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। यह युद्ध जितना लंबा खिंच रहा है, वैश्विक स्तर पर उसका उतना ही गहरा असर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम एशिया के देशों ने बीते साल यानी 2025 में जितनी कुल जीडीपी बढ़ोतरी की थी, ईरान युद्ध में उससे ज्यादा का अब तक नुकसान हो चुका है। साथ ही ये भी कहा गया है कि युद्ध जैसे-जैसे लंबा खिंचेगा, ये नुकसान और बढ़ता जाएगा।

पिछले साल की कुल वृद्धि से ज्यादा का हो सकता है नुकसान- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, इस युद्ध से पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं को उनकी सामूहिक जीडीपी का 3.7 से 6 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। यह

नुकसान अधिकतम 194 अरब डॉलर तक हो सकता है। यह कुल आर्थिक नुकसान 2025 में पश्चिम एशिया क्षेत्र द्वारा हासिल की गई जीडीपी वृद्धि से भी अधिक हो सकता है।

40 लाख लोग जा सकते हैं गरीबी रेखा के नीचे

'मिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडिल ईस्ट : इकोनॉमिक एंड सोशल इम्प्लिकेशंस फॉर द अरब स्टेट्स रीजन' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बेरोजगारी दर में लगभग 4 प्रतिशत अंकों तक वृद्धि हो सकती है, जिससे करीब 36 लाख नौकरियां खत्म हो सकती हैं। यह संख्या 2025 में सृजित कुल नौकरियों से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते लगभग 40 लाख लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं।रिपोर्ट में क्षेत्र की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर किया गया है, जो यह दिखाती हैं कि अल्पकालिक सैन्य तनाव भी पश्चिम एशिया में लंबे समय तक व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, मानव विकास सूचकांक के आधार पर पश्चिम एशिया का मानव विकास लगभग 0.2 से 0.4 प्रतिशत तक गिर सकता है, जो करीब आधे वर्ष से लेकर लगभग एक वर्ष तक की प्रगति के नुकसान के बराबर है।

यूएनडीपी के अरब देशों के क्षेत्रीय ब्यूरो के निदेशक और संयुक्त राष्ट्र के सहायक महासचिव अब्दल्लाह अल दरदारी ने बताया, 'यह संकट क्षेत्र के देशों के लिए चेतावनी है कि वे अपनी राजकोषीय, क्षेत्रीय और सामाजिक नीतियों की रणनीति पर पुनर्विचार करें। यह क्षेत्र के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।'

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564